CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-143
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 28 अगस्त 2024

आज का विचार

हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए

राज्यसभा में एनडीए ने छुआ बहुमत का आंकड़ा, 12 सांसद निर्विरोध जीते

नई दिल्ली। केंद्र में सत्ताधारी एनडीए ने संसद के ऊपरी सदन राज्य सभा में बहुमत का आंकड़ा छू लिया है। अब एनडीए के इस सदन में 112 सांसद हो गए हैं। मौजूदा राज्य सभा उप चुनावों में सभी 12 सीटों पर सांसद निर्विरोध चुने गए हैं। इनमें से 9 सांसद भाजपा के हैं, जबकि दो उसके सहयोगी दलों के हैं। राज्य सभा में अब भाजपा सांसदों की संख्या बढ़कर 96 हो गई है। राज्य सभा उप चुनावों में निर्विरोध चुने जाने वाले तीन अन्य सदस्यों में एनडीए के सहयोगी एनसीपी के अजित पवार गुट के एक सदस्य और राष्ट्रीय लोक मंच के उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस के भी एक सांसद का निर्विरोध चुनाव हुआ है। राज्यसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन को छह मनोनीत और एक स्वतंत्र सदस्य का भी समर्थन प्राप्त है। इस तरह एनडीए को कुल 119 सांसदों का समर्थन अब उच्च सदन में हासिल है, जबकि विपक्ष के सदस्यों की संख्या 85 हो गई है। राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं। फिलहाल आठ सीटें खाली हैं। भाजपा के जो उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, उनमें असम से रामेश्वर तेली और मिशन रंजन दास, बिहार से मनन कुमार मिश्रा, हरियाणा से किरण चौधरी, मध्य प्रदेश से जॉर्ज कुरियन, महाराष्ट्र से धिर्य शील पाटिल, ओडिशा से ममता मोहंता, राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू और त्रिपुरा से राजीव भट्टाचार्जी शामिल हैं। इनके अलावा सहयोगी दलों से महाराष्ट्र से अजित पवार गुट वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से नितिन पाटिल और बिहार से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी भी तेलंगाना से निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

डॉक्टर दुष्कर्म-हत्याकांड मामले में भाजपा का आज बंगाल बंद का आह्वान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में डॉक्टर दुष्कर्म-हत्याकांड को लेकर तनाव जारी है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की इस घटना को लेकर छात्र संगठनों और विपक्षी दलों ने सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखे हैं। इसी सिलसिले में अब बंगाल भाजपा ने बुधवार को राज्यभर में बंद का आह्वान किया है। भाजपा ने मंगलवार को यहां राज्य सचिवालय तक मार्च में भाग लेने वाले लोगों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ पश्चिम बंगाल में बुधवार को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक आम हड़ताल का आह्वान किया है। इतना ही नहीं बंगाल में पार्टी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि कोलकाता में छात्रों के नबान्न आंदोलन में जिस तरह की बर्बरता ममता सरकार की तरफ से दिखाई जा रही है, वह लोकतंत्र की छवि को गहरा नुकसान पहुंचाती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंगाल में महिला सुरक्षा पर बोलना अपराध जैसा है, जबकि ममता राज में दुष्कर्म और हत्या जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। इससे पहले बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोलकाता और हावड़ा में नबन्ना अभियान रैली में शांतिपूर्ण तरीके से भाग लेने वालों पर बर्बर कार्रवाई का सहारा लिया है। अधिकारी ने धमकी दी कि अगर राज्य सरकार द्वारा बर्बरता नहीं रोकी गई तो पश्चिम बंगाल को ठप कर दिया जाएगा।

शराब घोटाले में के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से बेल, जमा करना होगा पासपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को जमानत दे दी है। उन्हें ईडी और सीबीआई केस में जमानत दी गई है। अदालत ने दोनों केस में 10-10 लाख रुपये के बॉन्ड पर उन्हें जमानत दी है। उन्हें अपना पासपोर्ट निचली अदालत के पास जमा करना होगा। अदालत ने उन्हें जमानत देते हुए कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि वे पढ़ी-लिखी हैं या विधायक या सांसद हैं तो उन्हें पीएमएलए एक्ट के प्रावधानों का लाभ से वंचित रखा जा सकता है। इस दौरान कोर्ट ने ईडी और सीबीआई से पूछा कि वे शराब घोटाले में कविता की संलिप्तता को सिद्ध करने के लिए कविता के खिलाफ साक्ष्य पेश करें। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सबूत जुटा लिए गए हैं

एमपी में निवेश को बढ़ावा देने में जुटी मोहन सरकार, सीएम खुद विभिन्न जगहों पर जाकर निवेशकों से कर रहे मुलाकात, आज ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव

लिखी जा रही मध्यप्रदेश की तकदीर...

इंदौर/भोपाल/ग्वालियर। मध्यप्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव काफी गंभीर हैं। मुख्यमंत्री राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वे खुद विभिन्न जगहों पर जाकर निवेशकों से मुलाकात कर रहे हैं। क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन भी किया जा रहा है। साथ ही मुख्यमंत्री यादव ने हर जिले में इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित करने का ऐलान कर दिया है। इस बीच बुधवार को ग्वालियर के राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। इस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि मध्यप्रदेश क्षेत्रीय, भौगोलिक आदि सभी दृष्टि से औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल हैं। प्रदेश में बेहतर रोड एवं रेल कनेक्टिविटी के साथ पर्याप्त कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता हैं। मध्यप्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद से ही निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। सबसे पहले उज्जैन, फिर जबलपुर और अब बुधवार को ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होने जा रही है। सीएम के मुताबिक सागर और रीवा में भी रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी। ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव से पहले सीएम ने कहा कि इस कॉन्क्लेव में लगभग 2500 प्रतिनिधि शामिल होंगे। नीदरलैंड, घाना ,कनाडा, मेक्सिको सहित अन्य देशों के प्रतिभागियों की भी शिरकत होगी। कॉन्क्लेव में औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन का कार्य भी होगा। पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण और आईटी के क्षेत्र में संभावनाओं को तलाशने पर मुख्यमंत्री ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर स्थानीय और बाहरी निवेशक दोनों का स्वागत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर प्रत्येक जिले में उद्योगपतियों से लगातर संवाद बनाए रखें।

चंबल के युवाओं को मिलेगा भरपूर रोजगार, हर तरफ खुलेंगे कारखाने

बुधवार का दिन ग्वालियर के लिए बहुत खास रहने वाला है। इस क्षेत्र में उद्योग निवेश को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव आयोजित कराया जा रहा है। इसमें देश ही नहीं बल्कि विदेशों की तमाम बड़े औद्योगिक कंपनियों के मालिक और रिप्रजेंटेटिव के आने की पूर्ण संभावना है। सरकार का मकसद है कि इस कॉनक्लेव के जरिए चंबल क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा दिया जाए। इसके अलावा नए उद्योग स्थापित हों और रोजगार की संभावनाएं बढ़ सकें। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 9 बजे से शुरू होगा। मीडिया से चर्चा करते हुए कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर बदल रहा है। यह तेजी के साथ औद्योगिक हब बनने वाला है। उन्होंने इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि इन सभी के नेतृत्व में ग्वालियर का विकास तेजी से हो रहा है। बुधवार को देश विदेश के बड़े उद्योगपति आने वाले हैं, जो यहां निवेश करेंगे। यहां इन्वेस्ट होगा और उद्योग लगेंगे तो यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। रोजगार से पैसा मिलेगा और वह पैसा भी ग्वालियर में ही खर्च होगा तो ग्वालियर में रौनक बढ़ेगी।

सीएम के सामने पेश किए जाएंगे 24 प्रस्ताव

ग्वालियर की रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव से सरकार को ज्यादा उम्मीद है। एक ओर जहां निवेशकों की नजर 7 कॉरिडोर पर है तो वहीं सरकार की 28 हजार से अधिक रोजगार पर है। इस कॉनक्लेव में सीएम डॉ मोहन के सामने 24 प्रस्ताव पेश किए जाएंगे। इन प्रस्तावों से प्रदेश में 28788 रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस कॉन्क्लेव के जरिये ग्वालियर चंबल संभाग में बड़ा निवेश आने की संभावना हैं। उज्जैन और जबलपुर से ज्यादा ग्वालियर कॉनक्लेव में उद्योगपतियों की दिलचस्पी है। ग्वालियर रीजन से निकलने वाले 7 कॉरिडोर से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

मंत्री सिलावट ने बताया विकास को गति देने वाला कदम

ग्वालियर के प्रभारी मंत्री और मध्यप्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी तैयारियों की समीक्षा करने ग्वालियर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्वालियर संभाग के लिए यह गौरव की बात है कि यहां इस क्षेत्र में देश का इतनी बड़ी औद्योगिक समिट होने जा रही है। यह प्रधानमंत्री का संकल्प और मुख्यमंत्री का विश्वास है जो इस क्षेत्र में उद्योगों को गति देने की कोशिश मध्यप्रदेश की सरकार कर रही है। इस कॉन्क्लेव से जो भी औद्योगिक निवेश आएगा, उसे ग्वालियर संभाग और चंबल संभाग में उद्योग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

एमपी में बिजनेस जमाना होगा आसान

मध्यप्रदेश सरकार शहरों के पास खेती की जमीन खरीदने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए एक नया तरीका अपना रही है। सरकार अब ऊंची इमारतों में फैक्टरियां खोलने जा रही है। इन्हें हाईराइज फ्लैटेड इंडस्ट्री एरिया कहा जा रहा है। इसके तहत एक ही बिल्डिंग में कई उद्योग धंधे चल सकेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए भोपाल के पास मंडीदीप में जगह चुनी गई है। इसके साथ ही आर्थिक राजधानी इंदौर के पीथमपुर में और सीएम मोहन के गृह नगर उज्जैन में लोकेशन देखी गई हैं। मंडीदीप में 25 एकड़ जमीन पर इनका निर्माण होगा। वहीं उज्जैन में 29 एकड़ और इंदौर के पीथमपुर में दो इमारतों के लिए जमीन देखी जा रही है। सरकार का मकसद है कि कम जमीन और लागत में जो लोग फैक्टरी लगाना चाहते हैं, उन्हें जगह मिल सके। ऐसी फैक्टरियां अभी देश के बड़े बड़े शहरों जैसे सूरत और मुंबई में काम कर रही हैं।

निवेशकों को इंदौर भी कर रहा आकर्षित

देश के कई बड़े इंडस्ट्रीज ग्रुप मप्र में खासकर इंदौर में निवेश के इच्छुक हैं। उन्हें विश्वास है कि इंदौर में निवेश करने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अच्छा प्रतिसाद मिलेगा। हाल ही में गोदरेज, वेलस्पन सहित कुछ ग्रुपों ने इंदौर में निवेश के लिए प्रस्ताव रखे हैं। दरअसल एक माह पहले मुंबई में इंटरेक्टिव सेशन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 35 से अधिक उद्योगपतियों के साथ मप्र में निवेश को लेकर राउंड टेबल और वन टू वन चर्चा की। गोदरेज ग्रुप की इंदौर में अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट विकसित करने की योजना प्रस्तावित है। योट?टा द्वारा भी 100 करोड़ का निवेश इंदौर में प्रस्तावित किया गया है। ऐसे ही एलटीआई माइंड ट्री और कॉन्गजिझेंट द्वारा इंदौर में नए डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जा रही है। वेलस्पन समूह के बीके गोयनका ने इंदौर में प्लास्टिक, टेक, पाइप, इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 8 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इससे 3000 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मध्यप्रदेश में जिला स्तर पर बनेंगे निवेश प्रोत्साहन केंद्र

मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार अब हर जिले में निवेश प्रोत्साहन केंद्र खोलेगी। इससे निवेशकों को सरकारी मशीनरी से बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने सभी कलेक्टरों को इस बाबत निर्देश जारी कर दिए हैं। इन केंद्रों में निवेशकों को सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। यहां संवाद के लिए सभी संसाधन मौजूद रहेंगे। जिलाधिकारी अपने हिसाब से एक अधिकारी को इन केंद्रों के लिए नामित करेंगे।

कुनो पार्क में नर चीते पवन की नाले में डूबने से मौत

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के कुनो नेशनल पार्क से एक बुरी खबर आई है। मंगलवार को एक नाले के पास नर चीता पवन मृत पाया गया। पवन जंगल में स्वतंत्र रूप से घूमने वाला एकमात्र चीता था, जबकि बाकी सभी बाड़ों में ही थे। पवन का पहले नाम ओबन था, वह नामीबिया के एरिंडी प्राइवेट गेम रिजर्व में चीता कंजर्वेशन फंड द्वारा पुनर्वासित चीते का जंगली पोता था। जंगल में पैदा हुए दूसरी पीढ़ी के चीते के रूप में, पवन एक बेहतरीन शिकारी था। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पवन सुबह करीब 10.30 बजे नाले के किनारे मृत पाया गया। हाल ही में हुई बारिश के कारण नाला उफान पर था और पवन का सिर पानी में डूबा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि कोई बाहरी चोट नहीं थी। मौत का प्रारंभिक कारण डूबने का संदेह है, जिसकी अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी।उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में नामीबिया से लाकर आठ चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया था। इसके बाद 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए थे।

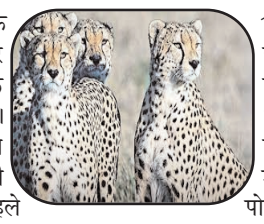

छतरपुर का 'विलेन' शहजाद अली गिरफ्तार

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर में थाने पर पथराव के बाद फरार मुख्य आरोपी शहजाद अली को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को उसे छतरपुर में ट्रैफिक पुलिस थाने के पास दबोचा। 6 दिन पहले तक करोड़ों की हवेली और महंगी कारों का मालिक रहा शहजाद अली एक ई-रिक्शा में जाते हुए पकड़ा गया। वह कपड़े से मुंह छिपाए हुए ई-रिक्शा से जा रहा था। पुलिस उसे गिरफ्तार करके उसी कोतवाली थाने ले गई जहां पर पथराव के मामले में वह वांछित था। कई दिनों तक ठिकाने बदल-बदलकर बचता रहा शहजाद अली छतरपुर कोर्ट में सरेंडर की योजना बना रहा था। पुलिस को चकमा देने के लिए वह एक आम आदमी की तरह एक ई-रिक्शा में सवार होकर कोर्ट के लिए निकला। इंटेलिजेंस की सूचना पर पुलिस ने सुबह से ही पूरे शहर में वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी थी। कोर्ट की ओर जाने वाले हर रास्ते पर वाहनों की तलाशी ली जा रही थी।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को मिला सबसे कम उम्र का चेयरमैन

'जय' अब आईसीसी के 'शाह'

दुबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का नया चेयरमैन चुना गया है। उन्हें निर्विरोध चुना गया है। वे ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म होने जा रहा है। बार्कले ने हाल ही में चेयरमैन पद की रेस से खुद को अलग कर लिया था। 35 वर्षीय शाह एक दिसंबर को कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने इतिहास रच दिया है। वेआईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन हैं। जय शाह अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई का कामकाज संभाल रहे हैं। आईसीसी चेयरमैन के पद के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त थी। आईसीसी के अनुसार, जय शाह एकमात्र उम्मीदवार थे जिन्होंने इस पद के लिए नामांकन भरा था और उन्हें निर्विरोध अगला अध्यक्ष चुना गया है। बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल की दौड़ से खुद को अलग कर लिया था जिससे खेल की वैश्विक संचालन संस्था में जय शाह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। शाह को आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक माना जाता है। वे वर्तमान में आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख का संभाल रहे थे।

क्रिकेट को और भी प्रसिद्ध बनाना लक्ष्य

आईसीसी अध्यक्ष पद पर चुने जाने के बाद जय शाह ने क्रिकेट की वैश्विक पहुंच और लोकप्रियता को आगे बढ़ाने का इरादा व्यक्त किया। आईसीसी के बयान के अनुसार, शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष पद पर चुने जाने से मैं अभिभूत हूं। मैं वैश्विक क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसी टीम और हमारे सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं जहां कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व को संतुलित करना, नई तकनीक को अपनाने को बढ़ावा देना और हमारे प्रमुख कार्यक्रमों को नए वैश्विक बाजारों में पेश करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हमारा लक्ष्य क्रिकेट को और भी प्रसिद्ध बनाना है।

आईसीसी अध्यक्ष बनने वाले पांचवें भारतीय

भारत का एक बार फिर आईसीसी में दबदबा बढ़ा है। शाह आईसीसी चेयरमैन बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी के बॉस रह चुके हैं। वर्तमान में बीसीसीआई सचिव के रूप में शाह का एक साल का कार्यकाल बचा है। बीसीसीआई में वापसी के लिए अनिवार्य तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड शाह के लिए अक्टूबर 2025 में अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद शुरू होगा।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

जूनी इंदौर इलाके में घर में आग लगाकर भागा बदमाश, पुलिस कर रही तलाश

इंदौर। इंदौर के जूनी इंदौर इलाके में एक बदमाश ने अलसुबह घर में आग लगा दी। घटना समय परिवार अंदर सो रहा था। सुबह महिला की नींद खुली तो उसने आग देखी। आहट से महिला की नींद खुली तो उसने बेटे और नंनद को भी जगा दिया। वे बदमाश के पीछे भागे लेकिन आरोपी ननंद को धक्का देकर भाग गया। महिला ने थाने जाकर केस दर्ज करा दिया। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक आशा बरोले की शिकायत पर इसराईल उर्फ नींबू पर आगजनी करने सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। आशा ने बताया कि वह जबरन कॉलोनी में ननंद रेखा, बेटे मोहित व ससुर अशोक के साथ रहती है। रविवार की रात में दरवाजा लगाकर सो गए। सोमवार सुबह करीब 5 बजे के लगभग धुएं की गंध से नींद खुली। घर में धुआं फैला तो ननंद और बेटे को आवाज लगाई। देखा तो दरवाजे के पास कपड़ा जल रहा था। मैंने ननंद और बेटे को भी जगा दिया और तुरंत दरवाजा खोला तो बाहर इसराइल हाथ में प्लास्टिक की बोतल लेकर खड़ा था। जिसमें ज्वलनशील पदार्थ था। मुझे देखकर वह गली में भागा। बेटे मोहित और नंनद रेखा ने उसका पीछा किया। इस दौरान रेखा ने उसे पकड़ लिया। इसराईल ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और भाग गया। पीड़िता ने बताया कि एक दिन पहले मेरी सास लीला बाई से इसराइल का विवाद हुआ था। संभव है कि इसके चलते ही इसराइल ने बदला लेने के लिए यह काम किया हो। पुलिस के मुताबिक इसराइल का आपराधिक रिकार्ड है। उसकी तलाश की जा रही है।

खजराना मंदिर में दुकानदार और श्रद्धालु के बीच जमकर मारपीट, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के खजराना में एक महिला के साथ दुकानदार मां और उसकी बेटी ने महिला श्रद्धालु को पीट दिया। वह यहां से पूजा पाठ का सामान लेने आई थी। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित महिला की शिकायत पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। खजराना पुलिस के मुताबिक तनुश्री हिंगोरानी निवासी गोयल विहार ने बताया कि वह रियल एस्टेट कंसल्टेंट है। सोमवार रात 9 बजे खजराना गणेश मंदिर पहुंची। यहां पर वीआईपी गेट के सामने गणेश जनरल स्टोर एवं पूजन सामग्री पर पूजा पाठ का सामान ले रही थी। यहां दुकान पर बैठी किरण से सामान को लेकर कहासुनी हो गई। तनुश्री ने सामान वापस रख दिया। इस बात को लेकर किरण अपशब्द कहने लगी। उसे रोका तो उसने जोर से मारा, पीछे की तरफ गिर गई। उसने कहा कि दुकान पर मत आना। इधर दिखी तो जान से खत्म कर देगी। इस दौरान उसकी बेटी बाहर आ गई। उसने सड़क के यहां ही बाल खींचे और मारपीट करने लगी। तभी किरण भी आ गई। दोनों मां बेटी ने लात घूंसों से मारना शुरू कर दिया। सड़क पर घसीटा। इस दौरान गले, गर्दन, चेहरे और हाथ में चोट लगी। आसपास के लोगों ने बचाव किया बाद में थाने पहुंची और मामले में केस दर्ज कराया।

सीएम ने बुजुर्ग महिला के घर बिजली पहुंचाने को कहा, अधिकारियों ने लाइन ही काट दी

इंदौर। इंदौर की एक बुजुर्ग महिला, सुमनबाई पाटीदार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अपनी दुकान पर भुट्टा खिलाया था। उस वक्त सीएम ने उन्हें घर की पानी और बिजली की परेशानी हल करने का कहा था। इसके बाद बिजली अधिकारी उनके घर आए और परेशानी कम करने के बजाय उनके घर की बिजली ही काट गए। सुमनबाई हाल ही में एक जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह से मिलकर अपनी निराशा और असंतुष्टता व्यक्त की, क्योंकि मुख्यमंत्री ने अपने पिछले दौरे के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं किया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें बिजली और पानी की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बजाय उनका बिजली कनेक्शन काट दिया गया और अधिकारियों ने उन्हें बताया कि यह अवैध है। जिससे उन्हें और उनके बच्चों को पिछले 20 दिनों से अंधेरे में रहना पड़ रहा है। सुमनबाई, जो सड़क किनारे भुट्टा बेचकर अपना जीवन यापन करती हैं, उन्होंने मुख्यमंत्री को बिजली के स्थायी कनेक्शन और पानी की पाइप की कमी के बारे में बताया था, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई और उन्हें इन मूलभूत सुविधाओं के बिना जीना पड़ रहा है। महिला का कहना है कि उन्होंने अपने पति और बेटे को खो दिया है और वह अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने स्थानीय पार्षद और नगर निगम के अधिकारियों से भी संपर्क किया था, लेकिन उन्हें केवल खोखले आश्वासन मिले और कोई ठोस मदद नहीं मिली। अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही ने उन्हें असहाय और निराश कर दिया। कलेक्टर ने अब जनसुनवाई के दौरान उनकी शिकायत के बाद तत्काल सहायता और समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

सेना के जवान की हत्या में छह को उम्र कैद, सात साल बाद आया फैसला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सेना के जवान की हत्या के मामले में छह आरोपियों को कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। घटना के 7 साल बाद मामले में फैसला आया है। केस को चिह्नित प्रकरण की सूची में रखा गया था। पीड़ित परिवार को प्रतिकर दिलाए जाने के लिए कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अनुशंसा की है। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के मुताबिक न्यायालय विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने थाना बाणगंगा के केस में फैसला सुनाया है।

आरोपी दिलीप, हेमंत उर्फ कालू पिता रामचंद्र वर्मा, रोहित, मोहित, अर्जुन और विकास निवासी रामदत्त का भट्टा बाणगंगा को धारा 302/149 भादंवि में उम्र कैद और धारा 307/149 में 10-10 साल की सजा सुनाई है। 54000 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी आरती भदौरिया और विशेष लोक अभियोजक विशाल श्रीवास्तव ने की।

22 जनवरी 2017 की है घटना

थाना बाणगंगा पर दर्ज केस में जांच करने पुलिस अरबिन्दों अस्पताल पहुंची थी। जहां पर योगेश पाल, प्रेमलता बाई, बाबूलाल पाल, शुभम पाल

की एमएलसी रिपोर्ट प्राप्त की। योगेश पाल ने बताया कि वह मिलिट्री में नौकरी करता है और अभी छुट्टियों में घर आया था। करीब 2 साल पहले हेमंत कौशल, दिलीप कौशल, विकास उर्फ विक्की बौरासी से उसके छोटे भाई शुभम पाल का विवाद हुआ था, तब से वह रंजिश रख रहे थे। 22 जनवरी 2017 को वह अपने दोस्त वरुण चौहान जो कि आर्मी पठानकोट में टेक्नीशियन के पद पर पदस्थ था के घर स्कीम नंबर 51 में खाना खाने गया था। रात 10.30 बजे अपनी बाइक से अपने दोस्त वरुण के साथ अपने घर आ रहा था, तभी रामदत्त का भट्टा मैदान पर तलवारों से लैस होकर हेमंत कौशल, दिलीप कौशल, मोहित यादव, विकास उर्फ विक्की बौरासी, अर्जुन बौरासी, रोहित कौशल मिले और दोनों पर हमला कर दिया।

सिर पर मारी थी तलवार

हेमंत कौशल ने जान से मारने की नीयत से दोस्त वरुण के सिर पर तलवार मारी थी । रोहित ने वरुण के गाल पर तलवार मारी, दिलीप ने सिर पर, मोहित ने योगेश के दोनों हाथों की हथेलियों में तलवार मारी। घटना में दोनों बुरी तरह से घायल हो गए और गाड़ी से गिर गए। विवाद के बारे में सुनकर भाई शुभम, पिता बाबूलाल और मेरी मां प्रेमलता बीच-बचाव के लिए आई, तभी विकास उर्फ विक्की बौरासी ने भाई शुभम के गाल पर तलवार मारी और अर्जुन बौरासी ने पिता के कंधे पर तलवार से वार किया और मां को धक्का मारकर गिरा दिया। वहीं खड़ी योगेश की कार को तोड़फोड़ कर नुकसान किया। चिल्ला चोट सुन मोहल्ले वाले इकट्ठा हो गए वह अपनी बाइक वहीं छोड़कर भाग गए।

विभिन्न धाराओं में दर्ज हुआ था केस

सभी घायलों को इलाज के लिए अरबिन्दों अस्पताल लाया गया। अस्पताल में वरुण की मृत्यु हो गई। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच की। आरोपियों को गिरफ्तार किया और हथियार जब्त किया। कोर्ट में चालान पेश किया। केस में 29 गवाहों के बयान समर्थन में करवाए गए। कोर्ट ने गवाह और सबूतों को ध्यान में रखते हुए आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

स्ट्रॉन्ग सिस्टम कमजोरः अति कम दबाव का क्षेत्र पूर्व राजस्थान की ओर शिफ्ट

तीन दिन नहीं होगी तेज बारिश, एक सितंबर से फिर झमाझम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम कमजोर पड़ गया है। इसकी वजह से इंदौर में तेज बारिश का दौर अगले तीन दिन के लिए थमेगा और हल्की वर्षा ही होगी। सितंबर के पहले सप्ताह में तेज बौछारों से शहर भीगेगा। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अति कम दबाव का क्षेत्र पूर्व राजस्थान की ओर शिफ्ट हो गया है। इस वजह से शहर में हल्की वर्षा ही होगी। एक कम दबाव का क्षेत्र बांग्लादेश में बना हुआ है, जो आगामी दिनों में झारखंड व ओड़िशा होते हुए मप्र की ओर आएगा। इसके असर से 29 अगस्त से पूर्वी मप्र में तेज वर्षा का दौर शुरू होगा। वहीं 1 सितंबर से इंदौर सहित पश्चिमी मप्र में एक बार फिर तेज बारिश से इंदौर भीगेगा। अभी स्ट्रॉन्ग सिस्टम के कमजोर पड़ने से अगले दो-तीन तक कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। 29-30 अगस्त से एक बार फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा, जिससे सितंबर के पहले हफ्ते में तेज बारिश से होगी। अब तक प्रदेश में सीजन की 88 फीसदी यानी 33 इंच बारिश हो चुकी है।

दो दिन मानसून की एक्टिविटी कम

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि मानसून ट्रफ, डीप लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से पूरे प्रदेश में भारी बारिश का दौर रहा। सोमवार को भी कई जिलों में तेज बारिश हुई, लेकिन मंगलवार से एक्टिविटी कम हो गई। जिससे मंगलवार को इंदौर सहित कई जिलों में तेज धूप निकली। बुधवार को भी धूप निकलेगी। मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश के अनुसार मानसून की ट्रफ लाइन गुना, सीधी, डाल्टनगंज होते हुए पश्चिम बंगाल तक बनी

हुई थी। इसके साथ ही वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी एक्टिव था, जिसके चलते प्रदेश में भारी बारिश हो रही थी।

इंदौर में सुबह से तेज धूप, दोपहर बाद बारिश

इंदौर में तीन दिन बारिश के बाद मंगलवार सुबह धूप खिली। माना जा रहा था कि 3 दिन से एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब थोड़ा कमजोर पड़ गया है। लेकिन दोपहर बाद बादल छाने लगे और शाम होते-होते कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। हालांकि मौसम विभाग ने अगले 2 दिन कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं दिया था और 29-30 अगस्त से फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनने की घोषणा की थी। लेकिन इंदौर में दोपहर बाद ही झमाझम बारिश शुरू हो गई। माना जा रहा है कि सितंबर की शुरूआत भी तेज बारिश से होगी।

मौसम में घुली ठंडक

इंदौर में लगातार बारिश होने से मौसम में ठंडक घुल गई है। एयरपोर्ट स्थित मौसम विभाग केंद्र के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 24.5 (-5) डिग्री और रात का तापमान 21.6 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं इंदौर में अब तक 799 मिमी बारिश हो चुकी है।

कई जिलों का बारिश का कोटा पूरा

मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश से कई जिलों का कोटा पूरा हो गया है। अब जो बरसात होगी वह बोनस कहलाएगी। रिकॉर्ड तोड़ बारिश के चलते भोपाल में शनिवार को ही सीजन का कोटा पूरा हो गया था। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 1 जून से लेकर 26 अगस्त तक औसतन 14 फीसदी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश के पूर्वी इलाकों में 11 फीसदी और पश्चिमी क्षेत्र में औसत से 17 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई।

पिछले 24 घंटों में प्रदेश के सभी जिलों में तेज बारिश हुई है। प्रदेश में अभी स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है और 31 अगस्त तक मौसम खुशनुमा बना रहेगा।

वार्ड 83 में उपचुनाव, भाजपा ने जीतू राठौर को बनाया उम्मीदवार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के वार्ड 83 में उपचुनाव होना है। इसके लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। भाजपा ने नामांकन समाप्ति के एक दिन पहले अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। चार नंबर विधानसभा की विधायक मालिनी गौड़ के समर्थक जीतू राठौर को भाजपा ने चुनाव लड़ने का मौका दिया है। कांग्रेस ने अभी तक पत्ते नहीं खोले है। बुधवार को नामांकन का आखिरी दिन है। यह वार्ड भाजपा का गढ़ माना जाता है। पूर्व पार्षद कमल लड्ढा इस वार्ड से सर्वाधिक आठ हजार वोटों से जीते थे। उनके निधन के कारण यह सीट रिक्त हुई थी और निधन के सात माह बाद उपचुनाव हो रहे है। कांग्रेस बुधवार सुबह उम्मीदवार घोषित कर सकती है। इस वार्ड में वैश्य व जैन समाज का तगड़ा वोटबैंक है, जो भाजपा का माना जाता है। कांग्रेस भी जातिगत समीकरणों के हिसाब से वैश्य समाज के नेता को टिकट दे सकती है, हालांकि कांग्रेस की तरफ से कोई गंभीर दावेदारी सामने नहीं आई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा के अनुसार बुधवार सुबह कांग्रेस अपना उम्मीदवार घोषित कर देगी। इस वार्ड में भाजपा के कई नेता टिकट के दावेदार थे। मेयर और भाजपा नगर अध्यक्ष के समर्थक भी टिकट के लिए प्रयासरत थे। मेयर समर्थक भरत पारेख का दावा भी मजबूत था, लेकिन विधायक गौड़ की पसंद को संगठन ने महत्व दिया। जीतू राठौर ने पिछली बार भी टिकट मांगा था और वे वार्ड में सक्रिय रहते थे।

नगर निगम की वन टाइम टैक्स सेटलमेंट स्कीम 10 दिन बढ़ी

इंदौर। इंदौर में नगर निगम द्वारा लागू वन टैक्स वन इंदौर योजन को 10 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है। आगे भी जरूरत और परिस्थिति के हिसाब से निर्णय लिया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि वन टाइम सेटलमेंट स्कीम के तहत 45 दिन की योजन लागू की गई थी। 25 अगस्त को इस योजना का आखिरी दिन था। चेक पोस्टिंग के आलावा करीब 35 करोड़ रुपए जलकर के तौर पर लोगों ने निगम के खाते में जाम किए हैं। इंदौर के यातायात को लेकर भी लगातार कोशिश की जा रही है। हमारा प्रयास है कि किस तरीके से ट्रैफिक कम हो सके। कई स्थानों में बेसमैंट चिह्नित किया है जहां पर पार्किंग को लेकर कब्जे किए गए हैं उन पर भी अब जल्दी एक्शन लिया जाएगा जिससे यातायात में भी काफी सुधार होगा। इंदौर शहर की सड़कों की अगर बात की जाए तो जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं बारिश के चलते भी कुछ गड्ढों पर पैचवर्क का काम किया जाएगा। वहीं बारिश खत्म होने के बाद सड़कों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो होगा। महापौर भार्गव ने कहा कि गोगा नवमी के अवसर पर अगले दिन सफाई मित्रों का अवकाश रहता है।

बेटे ने बुजुर्ग माता-पिता को पीटा पुलिस ने दर्ज किया केस

इंदौर। इंदौर के पलासिया में बुजुर्ग दंपती के साथ मारपीट करने के मामले में बेटे के खिलाफ सीनियर सिटिजन एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पीड़ित दंपती ने बताया कि वह शारीरिक रूप से सक्षम नहीं है। इसके बाद भी बेटा मारपीट करता है। पुश्तैनी घर को लेकर हिस्सा मांगता है। पलासिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नानूराम (60) पुत्र जगडू निवासी बड़ी ग्वाल टोली की शिकायत पर पुलिस ने छोटे बेटे हेमराज पर 4/24 मध्य प्रदेश माता पिता भरण पोषण अधिनियम 2009, एव 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के मामले में केस दर्ज किया है। नानूराम ने अपनी शिकायत में बताया कि घर में पत्नी लीलाबाई और दो बेटे संतोष और हेमराज रहते हैं।

रिक्शा पलटा, सिर पर गंभीर चोट लगने से एक छात्र की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक निजी स्कूल के बच्चों को घर छोड़ने जा रहा ऑटो रिक्शा अचानक सड़क पर पलट गया। उसकी किसी से भी टक्कर नहीं हुई थी। रिक्शा में छह बच्चे सवार थे। एक बच्चे के सिर में गंभीर चोट आई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे में अन्य बच्चों को मामूली चोट आई है। घटना तिलक नगर क्षेत्र की है। मंगलवार को सेट अर्नाल्ड स्कूल के बच्चों को लेकर ऑटो रिक्शा तिलक नगर मार्ग से जा रहा था। रिक्शा की गति तेज थी। अचानक रिक्शा सड़क पर पलट गया। लोगों का कहना है कि ऑटो रिक्शा चालक ने अचानक ब्रेक दबाया, जिससे ऑटो पलट गया, हालांकि, रिक्शा चालक इससे इनकार करता रहा। रिक्शा पटलते ही उसमें सवार बच्चे भी दब गए। लोगों ने रिक्शा को सीधा किया और दबे बच्चों को बाहर निकाला। सभी बच्चे हादसे से बुरी तरह डर गए थे। लोगों ने बच्चों के परिजनों को फोन लगाकर उन्हें लेने के लिए मौके पर बुलवाया। कुछ बच्चे रोने भी लगे

इस हादसे में बालक हर्षित शितोले के सिर में अंदरुनी चोट आई थी।

उसे निजी निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन शाम को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिक्शा जब्त कर लिया है। चालक का कहना है कि अचानक ऑटो का अगला पहिया निकल गया। इससे रिक्शा पलट गया था। कुछ लोगों ने चालक के शराब के नशे में होने के बात कही। पुलिस ने चालक का मेडिकल टेस्ट भी कराया है।

लोगों ने आरोप लगाया कि ऑटो ड्राइवर शराब के नशे में था। काफी तेज गति से ऑटो रिक्शा चला रहा था। वहीं ड्राइवर ने बताया कि अचानक गाड़ी का पहिया अलग हो गया। पुलिस ने ऑटो रिक्शा जब्त किया है।

सोयाबीन की कीमत हो रही कम, 1 सितंबर से किसान करेंगे आंदोलन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में सोयाबीन फसल की कीमत अपने पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर पर चल रही है। वर्तमान में सोयाबीन की जो कीमत है वही कीमत 10 साल पूर्व भी थी। इसे लेकर किसानों में भारी असंतोष है। अब किसानों का यह असंतोष आंदोलन में परिवर्तित होता दिख रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रमुख रंजीत किसानवंशी ने बताया कि सोयाबीन फसल के भाव की मांग को लेकर मध्यप्रदेश में एक बड़े आंदोलन की रूपरेखा तय की गई है।

आंदोलन के प्रथम चरण में सितंबर के प्रथम सप्ताह में प्रत्येक गांव में ग्राम पंचायत सचिव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। 5000 गांव संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा चिन्हित कर लिए गए हैं। अन्य गांव में भी ज्ञापन के लिए किसानों से संपर्क किया जा रहा है।

उन्होंने बताया इस आंदोलन की रूपरेखा मध्यप्रदेश के सभी किसान संगठनों और सोयाबीन उत्पादक संघों के द्वारा तय की गई है। इसी के तहत सभी किसान अपने अपने ग्राम पंचायत पर सितंबर के प्रथम सप्ताह (1-7 सितंबर) सोयाबीन के दाम 6000 रु करो विषय पर ज्ञापन देंगे। इसके बाद 8 और 9 तारीख को भोपाल में प्रदेश के किसानों की बैठक आयोजित होगी और आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

किसान को फायदा होते ही गिर जाते हैं दाम

संयुक्त किसान मोर्चा के किसान नेता राहुल राज ने बताया कि बीते कई वर्षों से अतिवृष्टि के कारण किसान सोयाबीन में नुकसान उठाता आ रहा है। फिर भी देश को तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसान ने सोयाबीन बोना नहीं छोड़ा। खाद्यान्न तेल में आयात और निर्यात की नीति किसान हितैषी ना होते हुए कॉर्पोरेट हितैषी है। इसलिए जब हमारी फसलें पककर बाजार में जाती हैं तब निर्यात रोक दिया जाता है और आयात खोल दिया जाता है। ऐसे में दाम गिर जाते हैं जो सही प्रचलन नहीं है। सरकार को गंभीरतापूर्वक किसानों के हित में आयात और निर्यात नीति पर काम करना होगा। आज सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 है। इस दाम में वर्तमान महंगाई जहां खाद, बीज, कीटनाशक, लोहा सहित तमाम कृषि संसाधन महंगा होने पर किसान की लागत पूरी तरह निकलना संभव नहीं।

6000 रुपए प्रति क्विंटल करना चाहिए भाव

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के मुताबिक सोयाबीन के समर्थन मूल्य पर 1108 रुपए का अतिरिक्त बोनस देते हुए राज्य सरकार को सोयाबीन का भाव 6000 रुपए प्रति क्विंटल करना चाहिए। सोयाबीन के भाव को 6000 रुपए प्रति क्विंटल करने की इस मुहिम से पूरे प्रदेश का किसान जुड़ रहा है और तेजी के साथ यह मुद्दा गांव गांव तक पहुंच रहा है। ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार किसानों की इस वाजिब मांग की गंभीरता को समझते हुए तत्काल निर्णय और किसानों के हित में सोयाबीन का भाव 6000 रुपए प्रति क्विंटल करे।

जल, जंगल और जमीन पर बोलीं मेघा पाटकर, प्राकृतिक संसाधन जब तक समाज के हांथ में हैं, तभी तक सुरक्षित

वंचित समाज को शिक्षित और संगठित होने की जरूरत

सिटी चीफ भोपाल।

न्याय, गरिमा और समता जैसे संवैधानिक मूल्यों के लिए आज भी आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग को संघर्ष करना पड़ रहा है। जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधन जब तक समाज के हांथ में हैं, तभी तक सुरक्षित हैं, अन्यथा इसे लूटने और निजी कंपनियों को बेचने के कारण पलायन और गरीबी बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। ऐसे में वंचित समाज को शिक्षित और संगठित होने की जरूरत है। वंचित समाज के बौद्धिक जन सम्मेलन में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा निकालने वाले भक्तों और सरकार को यह देखने का समय है कि हालिया रिपोर्ट के अनुसार नर्मदा जल अधिक दूषित हो गया है। बौद्धिक जन सम्मेलन की शुरूआत संविधान के प्रस्तावना के सामूहिक वाचन और संविधान गीत से हुई। बौद्धिक सत्र में बोलते हुए

पद्मश्री बाबूलाल दाहिया ने कहा कि आज वंचित समाज को अपनी खेती और बीज बचाने की अत्यंत जरूरत है ताकि धरती को बंजर होने से बचाया जा सके। उन्होंने अपने गांव में किए प्रयोग की जानकारी दी। शिवशंकर यादव ने पिछड़ा वर्ग के युवाओं को झूठे धार्मिक आडंबर के जाल से बाहर आकर वैज्ञानिक और संवैधानिक नजरिए के साथ विकास करने का आह्वान किया। सेवानिवृत्त सचिव विल्फ्रेड लकड़ा ने मनरेगा योजना की स्थिति पर कहा कि इसका उद्देश्य वंचित समुदाय के लिए भूमि और जल का स्थायी रूप से सुधार करना था, इस दिशा में अभी काम की जरूरत है। पूर्व आईपीएस एमडब्ल्यू अंसारी ने अल्पसंख्यक समुदाय के साथ हो रही राजनीतिक हिंसा को लेकर सवाल उठाया।

नृत्य नाटिका हूल क्रांति की प्रस्तुति

नाट्यशास्त्र नृत्य अकादमी की संस्थापक साहिल कौर के निर्देशन में नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण हुआ। जिसमें वंचित आदिवासी समाज के गौरव और संघर्ष की गाथा 1855 की हूल क्रांति सिद्धू और कान्हू का वृत्तांत प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर यूपीएससी जैसे लोकसेवा परीक्षाओं की कोचिंग से जुड़े तनाव और उलझनों से बाहर निकलकर छात्रों को तैयारी करने के सूत्र बताते हुए सत्यम जैन ने अपने अनुभव साझा किए। वंचित समाज के बौद्धिक जन सम्मेलन में विविध समाजसेवी संस्थाओं, प्रतिभाओं और लोक कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समन्वय शरद कुमरे द्वारा किया गया।

इनकी रही भूमिका

कार्यक्रम को आकार देने में पूर्व जिला जज आरडी भलावी, प्रो. किरण वट्टी, आरबी वट्टी, डॉ साहेबराव सदावरते, पोरलाल खरते, डॉ पीडी महंत, कृतिका ठाकुर, मोहिंदर कंवर, प्रकाश ठाकुर, डॉ.मनोज राजे, इनायत अब्बास, विजयश्री रंगारे, रतनलाल बाथम, एडवोकेट बीपी बंसल, सुनीता पंन्द्रो, संघमित्रा गजभिये, सरिता पाटिल,चक्रेश महोबिया, रवीश कुमार, सुरेखा कांबले और युवा चन्दन यादव, आरएन ठाकुर, बलराम कुशवाह, प्रदीप कुशवाहा, सूर्य प्रताप सिंह, राजनंदिनी कुमरे, शरद सिंह कुमरे आदि की प्रमुख भूमिका थी।

व्यापारियों ने कलेक्टर से लगाई मदद की गुहार, रेल सुविधा संघर्ष समिति ने कहा- व्यापारियों का दर्द भी समझे प्रशासन

आरओबी के काम में लेटलतीफी, रेलवे क्रॉसिंग बना मुसीबत

सिटी चीफ भोपाल।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे क्रासिंग के कारण नागरिकों को लंबे समय से परेशान होना पड़ रहा है। यहां बन रहे ओवरब्रिज से नागरिकों को सुविधा होगी। लोक निर्माण विभाग अब रेल प्रशासन की सहमति से ब्रिज का तीसरा हिस्सा बना रहा है। यह सीधे स्टेशन तक जाकर समाप्त होगा।

लोक निर्माण विभाग की सेतू शाखा आरओबी का निर्माण कर रही है। काम में विलंब होने के कारण नागरिकों को परेशान होना पड़ा है। फाटक क्रास करने में अब भी लोग को दिक्कत हो रही है। रेल प्रशासन ने यहां पर चार पहिया

वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

दो पहिया वाहन चालकों को भी बार-बार फाटक बंद होने से परेशान होना पड़ रहा है लेकिन यह भी जल्द ही बीते दिनों की बात हो जाएगी। दरअसल पीडब्ल्यूडी ने आरओबी का तीसरा छोर स्टेशन तक उतारने का काम शुरू किया है। स्टेशन तक आने-जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने का काम भी चल रहा है। बाहर की तरफ स्टेशन का एलिवेशन किया जा रहा है।

व्यापारियों ने कहा हमें भी राहत दें

आरओबी बनने से हजारों लोगों को सुविधा होगी लेकिन कुछ लोगों को परेशानी भी हो रही है। फाटक रोड के व्यवसाइयों का कारोबार ठप्प हो गया है। कुछ व्यापारियों की दुकानें ब्रिज से टकरा रही हैं। यहां सर्विस रोड का निर्माण भी होना है। सर्विस रोड बना तो कई दुकानों का बड़ा हिस्सा टूट सकता है।

महिला सरपंच की जाति के बारे में कथित तौर पर गलत जानकारी पोस्ट करने का मामला

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ पुलिस में की शिकायत

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के सतना जिले में भाजपा ने एक महिला सरपंच की जाति के बारे में कथित तौर पर गलत जानकारी पोस्ट करने के लिए कांग्रेस के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला सरपंच ने पहले आरोप लगाया था कि उन्हें गांव की बैठक के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं दी गई।

कुर्सी भी नहीं दी गई। भाजपा ने दावा किया कि जिस महिला से यह सवाल किया जा रहा है, वह ओबीसी की है। वह दलित नहीं है, जैसा कि कांग्रेस ने दावा किया है। भाजपा के सतना मंडल महासचिव केशव कोरी ने सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक संदेश पोस्ट करके लोगों को गुमराह किया जा रहा है। पोस्ट में उन्हें दलित नेता बताया गया है, जबकि वास्तव में वह ओबीसी से हैं। कांग्रेस ने सोमवार को एक्स पर दावा किया था- अकौना गांव की एक दलित महिला सरपंच को बैठक में बैठने के लिए कुर्सी नहीं दी गई।

जब उसने कुर्सी मांगी, तो बैठक में मौजूद लोगों ने उसे अपने घर से कुर्सी लाने या फर्श पर बैठने के लिए कहा।

कांग्रेस ने कहा था- इससे पहले भी उसे झंडा फहराने की अनुमति नहीं दी गई थी, क्योंकि वह दलित समुदाय से है। यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है और आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, प्रदेश भाजपा के संगठन महासचिव हितानंद शर्मा ने एक्स पर कहा- सरपंच और सचिव दोनों एक ही जाति (कुर्मी) से हैं और यह संभव है कि उनके बीच मतभेद हो। इसलिए, लोगों को गुमराह करने के लिए इस (मुद्दे) को कोई जातिगत कोण नहीं दिया जाना चाहिए। सतना के सिटी कोतवाली थाने में दर्ज शिकायत में कोरी ने सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश पोस्ट करने वाले कांग्रेस नेताओं के खिलाफ जांच और उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

जन्माष्टमी पर शिवराज मामा बने कान्हा, गोविंदाओं के गोद में उठाते ही फोड़ी मटकी और फिर बरसा माखन

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में जन्माष्टमी पर हर तरफ उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। इस खास दिन पर जगह-जगह मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रदेश के दिग्गज नेताओं ने भी अपने-अपने घरों में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया। केंद्रीय कृषि मंत्री और मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी जन्माष्टमी पर उत्साहित नजर आए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने भोपाल में अपने आवास पर आयोजित जन्माष्टमी उत्सव में नटखट कान्हा का रूप धारण किया। उन्होंने मटकी फोड़ने की रस्म अदा की और इस दौरान उनकी पत्नी साधना सिंह चौहान मटकी की डोर थामे उसे बचाती हुईं नजर आईं। आखिर में गोविंदाओं ने मामा (शिवराज सिंह चौहान) को अपने कंधों पर उठाया और फिर उन्होंने नारियल से माखन भरी मटकी फोड़ी। मटकी

के फूटते ही कान्हा बने मामा पर मक्खन की बारिश होने लगी।

जन्मअष्टमी पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के इस स्वरूप, मटकी फोड़ने और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन दिखाई देने से जुड़े कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने आवास पर जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया। इस दौरान उनके अवास पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता भी पहुंचे थे। शिवराज सिंह चौहान ने इन नेताओं के साथ मिलकर भगवान श्रीकृष्ण का भजन मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है... गया। बता दें कि जब शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब भी वे अपने आवास पर जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाते आ रहे हैं।

अधिकारी नहीं देते ध्यान

महापौर की हर हफ्ते मॉनिटरिंग के बाद भी दो हजार से ज्यादा शिकायतें पेंडिंग

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल की महापौर मालती राय जनता की परेशानियों को दूर करने हर सप्ताह महापौर हेल्पलाइन की मॉनिटरिंग करने पहुंच रहीं हैं, लेकिन नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी अपनी आदत बदलने को तैयार नहीं हैं। महापौर की हर हफ्ते मॉनिटरिंग के बावजूद भोपाल में दो हजार से ज्यादा शिकाएतें पेंडिंग हैं। जिसमें सबसे ज्यादा स्ट्रीट डॉग्स पकड़ने की दूसरे नंबर पर स्ट्रीट लाइट और तीसरे पर सीवेज से जुड़ी समस्याएं हैं। मंगलवार को महापौर मालती राय ने पेंडिंग शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को कॉल करके जल्द से जल्द निराकरण करने को कहा। भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार सुबह महापौर राय ने मोबाइल पर अफसरों को कॉल करके निर्देश दिए। यहां महापौर ने महापौर महिला हेल्पलाइन की

समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया।

बिल्डिंग परमिशन की कुल 106 शिकायतें पेंडिंग होने पर महापौर ने भवन अनुज्ञा शाखा के इंजीनियरों को कॉल करके पूछा कि इतनी शिकायतें पेंडिंग क्यों है? ऐसी शिकायतें तुरंत हल होना चाहिए। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया। लोगों से पूछा शिकायत पर अमल हुआ कि नहीं महापौर ने अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। उन्होंने कई शिकायतकताओं से कॉल करके चर्चा की। कई लोगों से पूछा कि आपकी शिकायत का निराकरण हुआ कि नहीं कुछ लोगों ने बताया कि उनकी शिकायत का निरागकरण हो गया। कुछ लोगों ने कहा अभी तक कोई कॉल नहीं आया। एक व्यकित ने महापौर से कहा कि पार्क में शिकात के बाद भी सफाई नहीं होती है। महापौर ने इस दौरान कहा कि स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

पेंडिंग शिकायतों संख्या भी बढ़कर 1252 हुई

भोपाल में आवारा कुत्तों के शिकार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके चलते महापौर हेल्पलाइन में इनकी शिकायतें की जा रही हैं। यही कारण है कि इन शिकायतों संख्या भी बढ़कर 1252 हो गई है, जो अन्य शिकायतों की तुलना में सबसे ज्यादा है। दूसरी ओर, निगम पिछले एक सप्ताह से स्ट्रीट डॉग्स को पकड़कर उनकी नसबंदी करा रहा है।

भोपाल में जूडो सीखने वाले सीहोर के कपिल परमार पेरिस पैरालंपिक में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

करंट हादसे में खोई दृष्टि, फिर जूडो में कमाया नाम

सिटी चीफ भोपाल।

पेरिस ओलंपिक खेलों की समापन के बाद अब पैरालंपिक में दम दिखाने के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार हैं। 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच पेरिस पैरालंपिक गेम्स खेले जाएंगे। इसमें भोपाल में रहकर जूडो सीखने वाले सीहोर जिला निवासी कपिल परमार भी देश को पदक दिलाने के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। प्रदेश के लाल कपिल परमार की कहानी भी दर्दभरी है।

जब वह मात्र 15 वर्ष के थे, तब खेत में काम करने समय उन्हें करंट का जोरदार झटका लग गया था, जिससे रेटिना खराब हो गया था। इस वजह से वह मात्र 20 प्रतिशत ही देख पाते हैं। उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमजोरी को ताकत बनाकर मेहनत की। कपिल परमार के अनुसार, 2009 की बात है। खेत में जगह-जगह पानी भरा हुआ था। जैसे ही वह पानी की मोटर चालू करने के लिए खेत में गए, उन्हें करंट लग गया। करंट इतना तेज था कि उनके हाथ की उंगलियां तक आपस में चिपक गई थीं। आज भी

दो-तीन उंगलियां ऊपर नहीं होती हैं।

कपिल से है पदक की उम्मीद

आज वह देश के लिए जूडो में बड़ा नाम हैं और पैरालंपिक में देश के लिए पदक की उम्मीद भी हैं। उनके चाहने वालों को उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद है। वह दुनिया में नंबर दो रैंक के पैरा जूडो खिलाड़ी हैं। कपिल के अनुसार उनके इस सपने को पूरा करने के लिए उनके पिता ने मजदूरी, हम्माली और टैक्सी चलाने का काम भी किया।

मुश्किलों भरा रहा सफर

करंट लगने के दो वर्ष बाद उन्हें चश्मा लग गया। फिर उन्होंने मां से बोला कि मुझे दिखाई नहीं देता और सिर भी दर्द करता है। मां उन्हें डॉक्टर के पास ले गाई, जहां हाई पावर का चश्मा लगाने की सलाह मिली। इसके बाद उन्हें थोड़ा साफ दिखाई देने लगा और सिर दर्द कम हो गया। इसके बाद उनके चश्मे का नंबर बढ़ता गया। कुछ वर्षों बाद चश्मा भी उतर गया। इसके बाद उन्हें थोड़ा-बहुत ही दिखाई देता था। रात में बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता था। फिर भोपाल में उन्हें ब्लाइंड जूडो के बारे में जानकारी लगी।

शुरूआती दिनों में भोपाल में लिया प्रशिक्षण

कपिल राजधानी भोपाल आकर लालघाटी स्थित श्री ब्लिस मिशन फार पैरा एंड ब्राइट संस्था में 2017 से कोच प्रवीण भटेले के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करने लगे। समय के साथ उनके खेल में निखार आता गया और राष्ट्रीय पर अच्छा प्रदर्शन करने लगे। सुविधाओं की कमी होने लगी तो मप्र खेल विभाग के तात्या टोपे स्टेडियम में आकर जूडो का खास प्रशिक्षण लिया। इसके बाद कपिल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने लगे। कपिल इन दिनों लखनऊ में स्थापित इंडियन ब्लाइंड एंड पैरा जूडो एसोसिएशन में प्रशिक्षण लेते हैं, जहां कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दकी उन्हें प्रशिक्षित करते हैं।

ऐसे आगे बढ़े कपिल

कपिल परमार को पहचान 2023 में मिली, जब उन्होंने चौथे एशियन पैरा गेम्स में देश को 60 किग्रा वर्ग जेएक कैटेगरी में देश को रजत पदक दिलाया। इसके बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। मोदी ने उन्हें बधाई दी। इससे पहले कपिल ने कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप-2019 में स्वर्ण, आईबीएसए जूडो ग्रांड प्री-2022 में कांस्य, आईबीएसए जूडो टोक्यो इंटरनेशनल ओपन टूनार्मेंट- 2022 में स्वर्ण पदक जीतकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इसके बाद उन्होंने आईबीएसए जूडो ग्रांड प्री-2023 में स्वर्ण पदक जीता। आईबीएसए जूडो एशियन चैंपियनशिप-2023 में व्यक्तिगत में रजत व पुरुष टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। कपिल ने अभी तक दस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खेली हैं, जिसमें नौ में पदक जीते हैं। विश्व में दूसरे नंबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

सम्पादकीय

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन योजनाओं की राजनीति

सवाल है कि नई पेंशन स्कीम क्यों घोषित की गई है? यूपीएस में ओपीएस और एनपीएस के तत्त्व भी शामिल हैं। यह दोनों पेंशन योजनाओं के बीच का रास्ता है। पेंशन में आर्थिक सुधार किए जा सकते थे। अब राजनीति के मद्देनजर असमंजस बने रहेंगे कि यूपीएस लागू करें या ओपीएस को लागू करने के प्रयास किए जाएं। बेशक यूपीएस की घोषणा से खासकर केंद्रीय कर्मचारी गदगद हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे ही उनके संगठनों के साथ विमर्श किया।

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन की राजनीति भी भिन्न है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव घोषित हो चुके हैं और महाराष्ट्र, झारखंड में अगले माह चुनावों की घोषणा निश्चिति है। चुनावों के मद्देनजर ही केंद्रीय कैबिनेट ने जिस यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को स्वीकृति दी है, उससे 23 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों को लाभ होगा। मोदी सरकार ने इस स्कीम को सुनिश्चित आर्थिक सुरक्षा करार दिया है। अलग-अलग श्रेणियों में जो पेंशन बनेगी, वह सुनिश्चित तौर पर सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी को मिलेगी। पेंशन के साथ महंगाई राहत को भी जोड़ा गया है। यदि राज्य सरकारें भी इस नई घोषित स्कीम से जुड़ना चाहती हैं, तो कुल 90 लाख के करीब कर्मचारी इसके दायरे में होंगे। यह स्कीम 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगी। इससे पहले ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) थी, जिसमें संशोधन कर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) बनवाई थी। यह दीगर है कि केंद्र में सत्ता बदल गई, लेकिन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने एनपीएस को लागू किया। गौरतलब है कि चुनावी राजनीति के मद्देनजर ही केरल, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और हिमाचल की सरकारों ने ओपीएस लागू करने की घोषणाएं की थीं। तब राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें थीं। अब भाजपा सरकारें हैं, लिहाजा राजनीति बदल गई है। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी की महायुति सरकार है। इधर केंद्र ने स्कीम की घोषणा की, उधर महायुति सरकार ने भी स्वीकृति दे दी। यह विशुद्ध राजनीति है। बहरहाल सवाल है कि नई पेंशन स्कीम क्यों घोषित की गई है? यूपीएस में ओपीएस और एनपीएस के तत्त्व भी शामिल हैं। यह दोनों पेंशन योजनाओं के बीच का रास्ता है। पेंशन में आर्थिक सुधार किए जा सकते थे। अब राजनीति के मद्देनजर असमंजस बने रहेंगे कि यूपीएस लागू करें या ओपीएस को लागू करने के प्रयास किए जाएं। बेशक यूपीएस की घोषणा से खासकर केंद्रीय कर्मचारी गदगद हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे ही उनके संगठनों के साथ विमर्श किया। उनके पक्ष और तर्क सुने गए। बेशक मोदी सरकार ने 2023 में, पेंशन सुधार के संदर्भ में ही, एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। उसने कई देशों की पेंशन-व्यवस्था का अध्ययन किया। विश्व बैंक की रपटें भी पढ़ीं। अंततः यूपीएस की व्यवस्था और उसकी विशेषताएं तय की जा सकीं। भारत 144 करोड़ की आबादी का देश है, जिसमें 65-70 करोड़ ही कामगार हैं। उनमें भी केंद्र और राज्य सरकारों के करीब 90 लाख कर्मचारी हैं, जो पेंशनधारक रहेंगे और उनकी मृत्यु के बाद पत्नी या पति को 60 फीसदी पेंशन मिलती रहेगी। यूपीएस का सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ना निश्चित है। खुद सरकार ने बताया है कि नई योजना से, पहले वर्ष में ही, 6250 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। जो कर्मचारी एनपीएस के दौर में, 2004 में, सेवानिवृत्त हुए थे, उनके एरियर भुगतान के लिए भी 800 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। केंद्र और राज्य सरकारों के बजट में पेंशन पर खर्च करने के लिए बड़ा हिस्सा आवंटित कर रखा है। 2023-24 में केंद्र और राज्य सरकारों ने पेंशन के लिए क्रमशः 2.3 लाख करोड़ रुपए और 5.2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के पेंशन के लिए बजट को इकट्ठा कर दिया जाए, तो 2023-24 में उनके राजस्व व्यय का अनुमानतः 12 फीसदी बनता है। यह छोटी पूंजी नहीं है। उप्र, केरल, हिमाचल के संदर्भ में यह पूंजी काफी ज्यादा है। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ रही है, लेकिन यह इतनी भी नहीं है कि हम 2047 में विकसित भारत का सपना साकार कर सकें। अब यूपीएस में भारत सरकार 18.5 फीसदी का योगदान देगी, जबकि पहले यह हिस्सा 14 फीसदी का था। यह भी अतिरिक्त बोझ है। यह राशि पेंशन के तौर पर एक बहुत छोटे श्रम-बल पर खर्च की जानी है। पेंशन हमारी व्यवस्था की परंपरा रही है कि जिस कर्मचारी ने जीवन के 25-30 साल सरकार को दिए हैं, उसका बुढ़ापा सुनिश्चित होना चाहिए। यह अंजाम भी सरकार और देश को भुगतना पड़ेगा कि अन्य जनवादी योजनाओं के लिए बजट सिकुड़ने लगेगा। हालांकि केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा।

लेटरल एंट्री पर कांग्रेस और इंडी ठगबंधन का फेक नैरेटिव

जहां तक लेटरल एंट्री का विषय है, ये कंसेप्ट तो कांग्रेस की यूपीए सरकार लेकर आई थी जिसमें वे सभी दल भी सहभागी थे जो आज कांग्रेस के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस के दौर में लैटरल एंट्री सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप बिलकुल भी नहीं थी और इसलिए एससी, एसटी और ओबीसी को दरकिनार कर दिया गया।

आज कल आप लेटरल एंट्री के बारे में इधर-उधर चर्चा सुन रहे होंगे। पिछले कुछ दिनों में कांग्रेस सहित इंडी ठगबंधन के घटक दलों की ओर से आदतन इस विषय पर भी देश और जनता को गुमराह करने की एक निचले स्तर की साजिश रची जा रही है। फिर इस तरह की अफवाह भी फैलाई जा रही है कि मोदी सरकार ही आरक्षण से बचने के लिए लेटरल एंट्री की स्कीम को लेकर आई थी और वही अब आरक्षण देने के लिए अपनी ही स्कीम से पीछे हट रही है। इस तरह की बातें एकदम से मोदी सरकार के खिलाफ फैलाए जा रहे फेक नैरेटिव प्रोपेगेंडा का हिस्सा हैं जिसे विपक्षी इंडी ठगबंधन हवा दे रहा है। एंटी-मोदी और एंटी-इंडिया सेक्शन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जनता को बरगलाने के लिए सारी नापाक चालें चल कर देख ली लेकिन वे जनता के दिलों से नरेंद्र मोदी को जब हटा नहीं पाए तो अब वे आरक्षण पर पेपर-डिजाइंड फेक नैरेटिव की एक सीरीज तैयार कर के आए हैं जिसका उदाहरण हमने लोक सभा चुनाव प्रचार के दौरान भी देखा, एससी-एसटी क्रीमी लेयर से संबंधित विषय पर सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के बाद भी देखा और अब लेटरल एंट्री वाले विषय में भी देख रहे हैं। जिन पार्टियों का इतिहास ही जातिगत राजनीति और आरक्षण के खिलाफ रहा है, आज वे इसके सबसे बड़े पैरोकार बनने का झूठा दंभ भर रहे हैं जबकि उनकी असली मंशा कुछ और ही है!

जहां तक लेटरल एंट्री का विषय है, ये कंसेप्ट तो कांग्रेस की यूपीए सरकार लेकर आई थी जिसमें वे सभी दल भी सहभागी थे जो आज कांग्रेस के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस के दौर में लैटरल एंट्री सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप बिलकुल भी नहीं थी और इसलिए एससी, एसटी और ओबीसी को दरकिनार कर दिया गया। हालांकि, लेटरल एंट्री का पहला और सबसे बड़ा उदाहरण तो हमें आजादी के ठीक बाद पंडित नेहरू की सरकार में ही दिख गया था जब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपनी बहन विजया लक्ष्मी पंडित को चार-चार देशों में भारत का राजदूत बनाया जबकि उन्होंने कोई औपचारिक स्कूली शिक्षा भी प्राप्त नहीं की थी। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी 1971 में लेटरल एंट्री के जरिए ही आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे। बाद में वे वित्त मंत्री और पीएम भी बने। मंतोष सोढ़ी, सैम पित्रोदा, वी कृष्णमूर्ति, बिमल जालान, कौशिक बसु, केपीपी नांबियार, अरुणा मैरा, आईजी पटेल, अरविंद विरमानी जैसे लोगों को भी लेटरल एंट्री के जरिये ही सरकार का हिस्सा बनाया गया था। यहां तक कि कांग्रेस सरकार ने बिना किसी योग्यता के सोनिया गांधी को लेटरल एंट्री की तर्ज पर ही यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) का अध्यक्ष बना कर प्रधानमंत्री के ऊपर बिठा दिया गया था।

यहां तक कि कांग्रेस की सोनिया-मनमोहन सरकार के दौरान गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद जिसने यूपीए के दस वर्षों के दौरान शासन में सक्रिय भूमिका निभाई थी, उसमें भी कई लैटरल एंट्री थीं और उन सभी में एससी, एसटी और ओबीसी को अनदेखा किया गया। एनएसी के सदस्यों में से एक जीन ड्रेज थे, जिन्हें हाल ही में दिल्ली में फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते देखा गया था। पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर भी एनएसी का हिस्सा थे। इसी तरह मोंटेक सिंह अहलूवालिया, नंदन नीलेकणि और अन्य जैसे अन्य हाई प्रोफाइल लैटरल एंट्री को बिना किसी व्यवस्थागत प्रक्रिया के लिया गया। 2018 में मोदी सरकार ने यूपीएससी के माध्यम से लैटरल एंट्री को संस्थागत रूप दिया, जिससे प्रक्रिया में अपारदर्शिता दूर हुई और सिस्टम में तदर्थ प्रविष्टियों पर रोक लगी।

वास्तव में, यह कांग्रेस ही है जिसने जामिया मिलिया और एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान बताकर एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के अधिकारों का हनन किया। वास्तव में, यह कांग्रेस ही है जिसने अपनी राज्य सरकारों में एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों का हनन करने की साजिश रची। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश इसके उदाहरण हैं।

कांग्रेस शुरूआत से ही आरक्षण के खिलाफ है। नेहरू जी कहते थे कि अगर एससी/एसटी, ओबीसी को नौकरी में आरक्षण मिला तो सरकारी कामकाज का स्तर गिर जाएगा। अगर उस समय सरकार में भर्ती हुई होती, तो वो प्रमोशन के बाद आगे बढ़ते और आज यहां पहुंचते। 27 जून 1961 को पंडित नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख कर आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने 1951 में जाति जनगणना का भी विरोध किया था। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। इंदिरा गांधी कहती थी - न जात पर, न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लोक सभा में 6 सितंबर 1990 को अपने भाषण के दौरान मंडल कमीशन पर अपनी बात रखते हुए आरक्षण का विरोध किया था।

इससे पहले 1985 में भी प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में आरक्षण के खिलाफ बोला था। कांग्रेस की सरकारों ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक मान्यता देने का निर्णय वर्षों तक लटका कर रखा। सपा की सरकार ने अध्यादेश लाकर यूपी में सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था समाप्त कर दी थी। मुख्यमंत्री रहते हुए भी अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि समाजवादी पार्टी पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ है। 1990 से 2005 के दौरान 15 साल तक बिहार में राजद की लालू-राबड़ी सरकार थी लेकिन इन 15 वर्षों में अतिपिछड़ों के लिए स्थानीय निकाय में आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

मोदी सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यूपीएससी के माध्यम से लेटरल एंट्री पारदर्शी, संस्थागत तरीके से की जाएं जो सामाजिक न्याय और आरक्षण के सिद्धांतों के अनुरूप हों। मोदी सरकार सामाजिक न्याय प्रदान करने में सबसे आगे रही है, उसी के मद्देनजर सरकार परिपत्र को फिर से संशोधित कर रही है। लेटरल एंट्री को अब तक एकल-संवर्ग पदों के रूप में नामित किया गया था और इसलिए इन नियुक्तियों में आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। मोदी सरकार अब इस कमी को भी संशोधित कर रही है और न केवल लेटरल एंट्री को एक संस्थागत प्रक्रिया बनाकर बल्कि इसमें संशोधन कर सामाजिक न्याय के सिद्धांत को भी सुनिश्चित कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी तो सरकार में आने के साथ ही एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण के पक्ष में निरंतर काम करते रहे हैं ताकि समाज के पिछले पायदान पर पहुंचे लोग विकास की मुख्यधारा में शामिल हों। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का मामला हो, सरकारी सेवा में कार्यरत एससी एवं एसटी की प्रोन्नति का मामला हो, लोकसभा एवं विधानसभा में उनके आरक्षण की अवधि बढ़ाने का मामला हो, एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के सुझावों को मानने में असमर्थता जाहिर करना हो, स्टार्ट-अप इंडिया व स्टैंड अप इंडिया योजनाओं में दलितों-पिछड़ों को आगे बढ़ाना हो, मुद्रा योजना में ऐसे वर्गों को आगे बढ़ाना हो या सरकार की हर योजना में ऐसे वर्गों का विशेष खयाल रखना हो - मोदी सरकार ने हमेशा एक कदम आगे बढाते हुए बाबा साहेब के सपनों को मूर्त रूप में धरातल पर उतारा है।

उत्तर भारत में राम और दक्षिण में मुरुगन

उत्तर भारत में भगवान राम की जैसी महिमा है, ठीक वैसी ही दक्षिण भारत में भगवान मुरुगन या कार्तिकेय की है। वैष्णव परंपरा के प्रतीक भगवान राम और शैव परंपरा के एक प्रमुख प्रतीक मुरुगन में समानताएं हैं, जैसे राम धनुष-बाण रखते हैं, वैसे ही मुरुगन भाला रखते हैं। राम का प्रतिद्वंद्वी रावण है, तो मुरुगन का प्रतिद्वंद्वी शूरपद्म। वैसे बदलते दौर के साथ उत्तर के साथ ही दक्षिण भारत में भी देवताओं की छवियों को नए रूप दिए गए हैं। अब चित्रों में योद्धा राम की तरह ही मुरुगन भी 'सिक्स-पैक' धारी हैं। अगर भारतीय जनता पार्टी ने बहुत हद तक भगवान राम को हिंदू धर्म के आक्रामक प्रतीक के रूप में अपनाया है, वहीं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक अब भगवान मुरुगन को तमिल पहचान या अस्मिता के प्रतीक के रूप में पेश कर रही है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन जल्दी में हैं। तमिलनाडु और पुडुचेरी में लोकसभा की सभी 40 सीटें जीतने के इंडिया ब्लॉक के अभियान का उन्होंने ही नेतृत्व किया था। अब उनकी नजर 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में 200 से ज्यादा सीटें जीतने पर है। कुल 234 सदस्यीय सदन में गठबंधन के पास अभी 159 सीटें हैं, जिनमें से 133 द्रमुक के पास हैं। कांग्रेस के पास 18, वीसीके और वाम दलों के पास चार-चार सीटें हैं। अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले विपक्ष के पास 62 सीटें हैं। पीएमके के पास 13 सीटें, भाजपा के पास चार और निर्दलीय भी चार हैं।

सत्तारूढ़ द्रमुक ने अपने लिए 200 सीटों का लक्ष्य रखा है। भाजपा ने भी लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का लक्ष्य रखा था, पर यहां द्रमुक ने भाजपा से किसी भी तुलना से इनकार किया है। वैसे, द्रमुक की अपनी चिंताएं हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और आने वाले महीनों में इसके बढ़ने की आशंका है। द्रमुक को आगे कड़ी लड़ाई का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि प्रमुख प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक अपने तेवर कड़े कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा अपने उन सहयोगियों के साथ बने रहने को प्रतिबद्ध है, जिन्होंने उसे संसद में भले ही शून्य सीटें दी हैं, पर 18 प्रतिशत का संयुक्त वोट शेयर दिया है।

द्रमुक के लिए बड़ी चिंता राज्य की राजनीति में उभरते युवा चेहरे हैं। भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई 40 वर्ष के हैं, आक्रामक और स्पष्टवादी हैं। वह राज्य में पार्टी को मजबूत करने और दिल्ली में अपने आकाओं को प्रभावित करने में कामयाब रहे हैं। उन्हें द्रविड़ नेताओं-कार्यकर्ताओं का एक प्रभावी जवाब माना जाता है।

कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री स्टालिन की चिंता बढ़ती जा रही है।

शायद विकट चुनौतियों के चलते ही उन्होंने ईश्वर की ओर रुख किया है। आश्चर्य नहीं कि पलानी में आयोजित ग्लोबल मुत्थमिल मुरुगन सम्मेलन का जमकर प्रचार किया गया। एचआरसीई या हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्रालय द्वारा आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में दुनिया भर से हजारों प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने दावा किया है कि यह सम्मेलन विकास के उसी द्रविड़ मॉडल का एक और प्रमाण है, जो समावेशी और धर्मनिरपेक्ष है। स्टालिन ने अपनी सरकार की हिंदू समर्थक गतिविधियों को गिनाया, जिसमें मंदिरों का नवीनीकरण भी शामिल है। उन्होंने बताया है कि कैसे उनकी सरकार पलानी मंदिर के बुनियादी ढांचे में सुधार कर रही है। ध्यान रहे, पलानी मंदिर तमिलनाडु में भगवान मुरुगन के प्रमुख छह मंदिरों में शुमार है।

यह जानना दिलचस्प होगा कि तमिल संस्कृति और भगवान मुरुगन आपस में अटूट भाव से जुड़े हुए हैं। दरअसल, मुरुगन को राज्य में तमिल भगवान के रूप में पूजा जाता है। समृद्ध तमिल साहित्य के संगम काल में ऐसे महाकाव्य लिखे गए, जो भगवान मुरुगन का खूब महिमामंडन करते हैं। उनके प्रमुख कारनामों में ब्रह्मा जी को कारागार में डालना और राक्षस राजा शूरपद्म को हराना शामिल है।

वैसे, तमिलनाडु में ऐसे अनेक सियासी समूह उभरे हैं, जो भगवान मुरुगन को अपना देवता मानने-बताने की दिलोजान से कोशिश करते हैं। एनटीके नामक तमिल राष्ट्रवादी पार्टी चलाने वाले पूर्व फिल्म निर्देशक सीमन दावा करते रहे हैं कि मुरुगन तमिलों के पूर्वज हैं। यहां तक कि अन्नाद्रमुक ने भी विशेष दिन थाई पूसम को सरकारी अवकाश घोषित करके मुरुगन भक्तों को खुश करने की कोशिश की है।

थाई पूसम के दिन ही भगवान मुरुगन को राक्षस शूरपद्म पर महाविजय प्राप्त हुई थी। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन जब तमिलनाडु में भाजपा प्रमुख थे, तब उन्होंने भाला-धारी भगवान मुरुगन के विचारों के प्रचार के लिए एक भाला यात्रा निकाली थी। दबाव इस तरह बढ़ा है कि अब सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक यह साबित करने जुट गई है कि वह धर्म के खिलाफ नहीं है।

वैसे द्रमुक के विचार नास्तिकता पर आधारित हैं। द्रविड़ कषगम के समय से ही इस दल में तर्कवादी प्रवृत्ति मजबूत रही है। पिछले कुछ वर्षों से यह दल अपने पुराने विचार को कमजोर कर रहा है। यह अब खुद को एक ऐसे दल के रूप में पेश कर रहा है, जिसकी अपनी मान्यताएं हो सकती हैं, पर एक सरकार के रूप में वह गैर-आस्तिकों सहित सभी आस्थाओं को स्थान देने के पक्ष में है।

दिलचस्प बात यह है कि अन्य राज्यों की तरह तमिलनाडु भी अत्यधिक धार्मिक है, पर मतदाताओं ने राजनीति और धर्म के बीच साफ अंतर किया है। धार्मिक मामलों का राजनीतिकरण करने की पिछली कोशिशें राज्य में नाकाम रही हैं। द्रमुक के सहयोगियों को लगता है कि मुरुगन के नाम पर आयोजित विशाल सम्मेलन के बाद भी हालात नहीं बदलेंगे। बहुत कड़ी प्रतिक्रिया सीपीएम की ओर से आई है। कांग्रेस पार्टी को भी लगता है कि यह निरर्थक प्रयास है। अयोध्या के चुनावी नतीजे से भी पता चलता है कि मतदाता धर्म को राजनीति से मिलाने में यकीन नहीं करते हैं। हालांकि, राज्य की अग्रणी दलित पार्टी वीसीके को लगता है कि भाजपा के विरोध के लिए ऐसे सम्मेलन करना महत्वपूर्ण है।

लोग अभी भूले नहीं हैं कि द्रमुक की सरकार में मंत्री और स्टालिन के पुत्र उदयनिधि ने सनातन धर्म की तीखी आलोचना की थी, जिसका उत्तर भारत में ज्यादा विरोध हुआ था। अब द्रमुक खुद को एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष दल के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है, जो धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं करता है और संविधान के अनुसार, ऐसी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है।

विश्व बैंक रिपोर्ट को खारिज करे भारत

एक अगस्त 2024 को विश्व बैंक ने अपनी विश्व विकास रिपोर्ट 2024 जारी की। इसमें आर्थिक शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए विश्व बैंक द्वारा न केवल भारत बल्कि इंडोनेशिया, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बारे में भी नकारात्मक टिप्पणी की गयी है। भारत के संदर्भ में विश्व विकास रिपोर्ट का कहना है कि भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 75 साल लगेंगे। यानी एक तरह से भारत के 2047 तक विनिर्माण विकास पर सवार होकर विकसित अर्थव्यवस्था बनने के संकल्प का मजाक उड़ाने की कोशिश की गई है। विश्व बैंक का दावा है कि यह रिपोर्ट 108 मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के आंकड़ों पर आधारित है, जिनमें दुनिया की 75 प्रतिशत आबादी रहती है और जो सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत उत्पन्न करते हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारत और इंडोनेशिया की औद्योगिक नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि बहुत अधिक विकास के आधार पर तेजी से अमीर बनने के बजाय उन्हें लंबी अवधि के लिए धीमी लेकिन निरंतर वृद्धि का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि मध्यम आय वाले देशों को घरेलू प्रौद्योगिकी विकास का मोह छोड़ देना चाहिए और अन्य देशों, विशेष रूप से विकसित देशों और उनकी कंपनियों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए, क्योंकि स्वयं की प्रौद्योगिकी विकसित करने का प्रयास, संसाधनों की बबार्दी होगी। इस मामले में, इस रिपोर्ट ने सरकारी सहायता देकर विदेशी प्रौद्योगिकी को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए दक्षिण कोरिया की प्रशंसा करते हुए, ब्राजील की यह कहकर आलोचना की है कि उसने अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पर कर लगाकर विदेशी प्रौद्योगिकी को हतोत्साहित किया, जिसके लिए उसे परिणाम भुगतने पड़े। भारत को आगाह किया गया है कि वह अपनी खुद की तकनीक विकसित करने की कोशिश न करे, जैसा कि मलेशिया और इंडोनेशिया ने करने की कोशिश की है। हैरानी की बात यह है कि भारत की सेमीकंडक्टर नीति और रक्षा आत्मनिर्भरता नीति की भी आलोचना की गई है। दि इकोनॉमिस्ट लिखता है कि भारत द्वारा 509 रक्षा उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 25 रक्षा निर्यातकों की सूची से बाहर हो गया है।

रिपोर्ट में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री शुम्पीटर के नाम का इस्तेमाल करते हुए लेखकों ने यह कहने की कोशिश की है कि भारत में सरकारी संरक्षण और नई (विदेशी) फर्मों के प्रवेश पर प्रतिबंधों के कारण, कुशल फर्म भी कुशल नहीं रह पाएंगी।

विराजमान हुए नंद के लाल मदन गोपाल...

कृष्ण जन्माष्टमी पर नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल कि सुनाई दी गूंज

लालबर्रा। मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही उत्साह के साथ 26 अगस्त को मनाया गया तथा इसको लेकर बाजारों में बहुत ही चहल-पहल रही गांव गांव से लोग मुख्यालय पहुंचे तथा खरीददारी किये तथा कृष्ण भक्तों ने अपने घरों में कृष्ण भगवान कि मूर्ति भी स्थापित किए हैं। वहीं चर्चा करते हुए कजंई पंचायत सरपंच श्री आनंद बिसेन ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अनेकों वर्षों से मनाते हुए सभी लोग आ रहे हैं तथा जब जब असुरों के अत्याचार बड़े हैं तब तब भगवान ने धरती पर अवतार लेकर भक्तों की रक्षा कर सत्य और धर्म की स्थापना की है भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की मध्य रात्रि को कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में भगवान कृष्ण ने अवतार लिया था इसलिए इस दिन को कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं इस बार श्री कृष्ण जन्म पर वैसा ही संयोग बन रहा जैसे द्वापर युग में उनके जन्म के दौरान हुआ था इस बार ग्रह नक्षत्र और अष्टमी तिथि एक साथ 26 अगस्त की रात में मिल रहे हैं जो बहुत शुभ संयोग माना जा रहा है क्योंकि स्वयं सृष्टि के पालनहार और 16 कलाओं के स्वामी आपके घर जन्म लेने वाले हैं इसलिए जन्माष्टमी की पूजा में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए सबसे पहले मां उनके चरणों में समर्पित कर देना चाहिए,वहीं आगे चर्चा करते हुए श्री बिसेन ने बताया कि 13 वर्षों से लगातार घर पर कृष्ण भगवान कि स्थापना होते हुए आ रही है इसको लेकर बहुत उत्साहित रहते हैं सभी लोग कृष्ण भक्ति में लीन हो जाते हैं तथा 26 अगस्त कि शाम को भगवान श्री कृष्ण कि स्थापना विधीवत रुप से पूजा अर्चना कर कि गई तथा रात्रि में भगवान श्री कृष्ण जी कि मुर्ति कि पूजा अर्चना कि गई तथा भगवान को लाई,चना,केले,मिठाई तथा पकवान अर्पित किया गया तथा रात्रि में भगवान श्री कृष्ण पर आधारित भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया जिससे घर का वातावरण भक्तिमय सा हो गया है। तथा 27 अगस्त को नंद के लाल को गाजे बाजे के साथ बिदाई दिया गया तथा विसर्जन घाट पर ले जाकर पूजा अर्चना कर विसर्जन किया गया है।

देवबंद के द दून वैली पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन

भगवान श्री कृष्ण जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर की गई

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर, देवबंद द दून वैली पब्लिक स्कूल में कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर को फूलों और बंधनवार से सजाया गया, जो उत्सव की भावना को और भी प्रबल बना रहा था। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की मैनेजर श्रीमती सुमन सिंघल, प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा, क्वालिटी हेड श्रीमती अर्चना शर्मा, ब्रांच हेड श्रीमती तनुज कपिल, उप-प्रधानाचार्य हरदीप सिंह द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर की गई। प्ले ग्रुप व एलकेजी के छात्रों ने भगवान कृष्ण और राधा के रूप में सजीव झांकियां प्रस्तुत की, जिसमें उनकी बाल-लीलाओं का मंचन किया गया। इन झांकियों में बच्चों का उत्साह और उनकी सजीव प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ ही, विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने नृत्य और गीतों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में एक से एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। बच्चों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में राधा-कृष्ण के भजन और नृत्य प्रस्तुत किए। कक्षा 2 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सुदामा, कृष्ण मैत्री का सजीव वर्णन प्रशंसनीय था। कक्षा 6 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई रासलीला ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने बच्चों के साथ इस अनोखे सांस्कृतिक अनुभव का आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता ने कहा कि छात्रों ने जिस उत्साह और लगन के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया, उससे यह स्पष्ट हो गया कि द दून वैली पब्लिक स्कूल न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में अग्रणी है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को भी छात्रों में समर्पित रूप से स्थापित करने के प्रति सजग है । विद्यालय की मैनेजर सुमन सिंघल ने सभी को कृष्ण जन्मोत्सव की बधाई देते हुए छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना की और इसे सफल बनाने में शिक्षकों और छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा की। स्कूल की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें कर्तव्यपरायणता, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है । उन्होंने छात्रों को श्रीकृष्ण के गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

एक पेड़ मां के नाम तहत लालबर्रा में आज किया जायेगा पौधा रोपण

विधायक अनुभा मुंजारे कि उपस्थित में हास्पीटल रोड़ पर किया जायेगा पौधा

लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पाढ़रवानी (लालबर्रा)में 28 अगस्त दिन बुधवार को दोपहर 2 बजे से शासन द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधा रोपण का कार्य किया जायेगा उक्ताश्य कि जानकारी ग्राम पंचायत पांढ़रवानी सरपंच श्री अनीश खान ने दी तथा आगे जानकारी देते हुए बताया कि उक्त आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि में प्रमुख रूप से श्रीमती अनुभा मुंजारे विधायक बालाघाट, श्री सम्राट अशोक सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट,डुलेन्द्र ठाकरे सभापति जिला पंचायत बालाघाट,व दीपक कावरे जनपद पंचायत सदस्य सहित अन्य सभी रहेंगे तथा हास्पीटल रोड़ एवं शासकीय उच्चतर उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया जायेगा वहीं उक्त आयोजित कार्यक्रम में पंचायत सहित सभी लोगों कि उपस्थिति कि अपील कि गई है। जिसमें पंचायत के उपसरपंच, समस्त पंच व पंचायत सचिव रोजगार सहायक व सभी कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

देवबंद नगर के सभी मंदिरों में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

मंदिरों को बडे भव्य एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया, मंदिरों में देर रात तक जुटी रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर । देवबंद, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व देवबंद नगर के सभी मंदिरों और घरों में बडे धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर बीती रात देवबंद नगर के सभी मंदिरों को बडे भव्य एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया। मंदिरों में देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। मंदिरों में लगाई गई भव्य झांकियां सभी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही।श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में ठाकुर जी को झूला झुलाया जा रहा था। देवबंद नगर के प्रमुख मंदिर श्री ठाकुर द्वारा मंदिर मेन बाजार, श्री राधाबल्लभ मंदिर कायस्थवाड़ा, श्री राधा रुक्मिणी मंदिर शास्त्री चौक, श्री खाटू श्याम मंदिर बाला सुंदरी परिसर, श्रीराधा रमन मंदिर पांचो पांडव चौक, वैष्णों देवी मंदिर रेलवे स्टेशन, श्री बालाजी धाम मंदिर आदि में विराजमान सभी भगवान जी की सभी प्रतिमाओं का भव्य श्रृंगार किया गया और साथ ही मंदिर को भी बड़ी भव्यता के साथ फूलों से सजाया गया। देवबंद नगर के प्रमुख श्री बालाजी धाम मंदिर पर दही हांडी का कार्यक्रम बडी धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। देवबंद के प्राचीनतम एवं ऐतिहासिक श्रीठाकुरद्वारा मंदिर में जन्माष्टमी पर श्रीराधा रानी जी के संग ठाकुरजी महाराजा धीराज भगवान श्री कृष्ण की प्राण प्रतिष्ठित मूर्तियों के श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। रात 12 बजे के बाद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव होने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर अपना-अपना व्रत खोला।

भाजपा ग्रामीण मंडल कार्यशाला संपन्न

सदस्यता अभियान को लेकर हुई चर्चा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व के अंतर्गत चलाए जाने वाले सदस्यता अभियान को लेकर शाजापुर ग्रामीण मंडल की कार्यशाला मंगलवार को जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी मौजूद थे, जिन्होंने बताया कि संगठन महापर्व के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया जाना है जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर भाजपा के सदस्य बनाना है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष हरिओम गोठी ने कहा कि शाजापुर ग्रामीण मंडल के सभी शक्ति केंद्रों पर इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी जिसमें कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा कि पार्टी के सदस्यता अभियान में नए सदस्य किस प्रकार बनाना है? कार्यशाला में विशेष अतिथि के रूप में किरण ठाकुर, अर्जुनसिंह राजपूत, नारायणसिंह राजपूत, किशोर सोलिया, अनूपसिंह राजपूत, भगवानसिंह राजपूत, ज्ञानसिंह गुर्जर, गोविंद हाड़ा भी मंचासीन थे। कार्यशाला का संचालन मंडल महामंत्री मुकेश पंवार ने किया तथा आभार अभियान के मंडल संयोजक मनीष पाटीदार ने माना।

आसमान पर छाए काले बादल

तेज बूंदों के साथ बरसे

जारी रह सकता है बारिश का दौर

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ ।
शाजापुर, सुबह की शुरूआत तेज धूप के साथ हुई और शाम होते-होते आसमान पर काली घटाओं ने डेरा जमा लिया और इन काली घटाओं ने तेज बूंदों के साथ बरसना शुरू कर दिया, जिससे गर्मी की तपिश खत्म हो गई। आसमान पर डेरा जमाए काले बादलों की वजह से अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से बारिश का दौर बना हुआ है, लेकिन मंगलवार के दिन का आगाज तेज धूप के साथ हुआ, लेकिन शाम के समय आसमान पर काली घटाएं छा गईं और इन घटाओं ने तेज बूंदों के साथ बरसकर पूरे शहर को तरबतर कर दिया। शाम करीब 5.30 बजे शुरू काले बादलों के बरसने का सिलसिला रूक-रूककर देरशाम तक जारी रहा। मौसम विभाग की मानें तो बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। फिलहाल बारिश की वजह से अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया।

जन्माष्टमी पर्व पर रंगमंचीय कार्यक्रम कर नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

विश्व हिंदू परिषद प्रखंड कोठी के नेतृत्व में निकाली शोभायात्रा

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ।
सतना, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड कोठी के नेतृत्व में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर कोठी नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई इसके पूर्व कोठी के मुस्कान मैरिज गार्डन में रंगमंचीय कार्यक्रम किया गया विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के 60 वर्ष पूर्ण होने पर एवं श्री कृष्ण जन्म उत्सव पर हिंदू परिषद प्रखंड कोठी के आयोजकत्व में रंगमंचीय कार्यक्रम के उपरांत कोठी की जोगनी माता मंदिर से प्रारंभ होकर कोठी बाजार होते हुए नरसिंह भगवान मंदिर होकर हनुमान जी मंदिर बस स्टैंड तक भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें कई सैकड़ो की संख्या में नगर के सभी लोग शामिल हुए जगह-जगह शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया एवं भगवान की पूजा अर्चना की गई, रंगमंचीय कार्यक्रम में मरघट नाथ मंदिर आश्रम के पीठाधीश्वर संत एवं विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संयोजक यतेंद्र पाठक ने संबोधित किया और लोगों को भगवान श्री कृष्ण एवं धर्म के प्रति प्रेरणा दी विवेक पाठक ने सभी स्थानीयजनो सहित भगवत प्रेमियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है जो शोभायात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दिया है शोभायात्रा के दौरान कोठी पुलिस एवं प्रशासनिक अमला साथ-साथ रहा कोठी तहसीलदार कमलेश भदोरिया एवं थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत अपने दलबल के साथ यात्रा में मौजूद रहे.

मंदिरों में रही नंद महोत्सव की धूम

निजी स्कूलों में मनाया जन्माष्टमी पर्व

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |
शाजापुर, जन्माष्टमी पर शहर के मंदिरों में रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। वहीं दूसरे दिन नंद महोत्सव की धूम रही। मंगलवार को शहर के सोमवारिया बाजार स्थित गोवर्धननाथ हवेली मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, वजीरपुरा स्थित राधाकृष्ण मंदिर, गुरुद्वारा सहित अन्य कृष्ण मंदिरों में नंद महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर भगवान का फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। वहीं गायत्री पब्लिक स्कूल पिंदोनिया में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने राधा, कृष्ण, सुदामा, बलराम आदि की ड्रेस पहनकर सबका मन मोह लिया। विद्यालय की बालिका आरोही मकवाना ने श्रीकृष्ण बनकर दही से भरी मटकी फोड़ी। तत्पश्चात सभी बच्चों को चाकलेट बाटी गई। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षिका लक्ष्मी, शबनम, खुशबू, नेहा, मोनिका, हंसा सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन में राजनैतिक दलों से किया पूर्ण सहयोग का अनुरोध

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल की अध्यक्षता में बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन कार्य एवं मतदेय स्थलों के संभाजन कार्य से संबंधित जनपद के राजनैतिक दलों एवं ईआरओ के साथ बैठक आहूत की गयी। मनीष बंसल ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई समय सारिणी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से घर-घर भौतिक सत्यापन की कार्यवाही 10 सितम्बर तक किये जाने की तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा बूथ के संबंध में 04 सितम्बर तक सभी राजनैतिक दल प्रस्ताव उपलब्ध करा दें जिसमें होने वाली समस्या तथा बनाए जाने वाले बूथ के संबंध में भी जानकारी हो। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने इलेक्ट्रोल रोल को बेहतर बनाने के लिए भी राजनैतिक दलों से सुझाव का आग्रह किया। उन्होने कहा कि घर-घर बीएलओ द्वारा किए जा रहे सत्यापन में सहयोग देकर होने वाली समस्याओं से भी अवगत कराएं। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने पुनरीक्षण पूर्व एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियों जोकि आयोग द्वारा घोषित की गयी है उसके तहत प्री रिविजन एक्टिविटीज एवं रिविजन एक्टिविटीज के साथ ही विशेष पुनरीक्षण अभियान जिसकी तिथियां 09, 10, 23 एवं 24 नवम्बर में संचालित की जाएंगी। इसके लिए आने वाली आपत्तियों के निस्तारण 24 दिसम्बर तक किया जाएगा। इलैक्ट्रोल रोल का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी को किया जाएगा। श्री मनीष बंसल ने चुनाव प्रक्रिया से जुडे अधिकारियों की बैठक करते हुए कहा कि बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सर्वेक्षण के संदर्भ में सप्ताह में बीएलओ के साथ बैठक कर उनके द्वारा दिये गये आंकडों को भी देखें ताकि बनने वाला इलेक्ट्रोल रोल पूर्णत: शुद्ध हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, जिलाध्यक्ष सपा चौ0 अब्दुल वाहिद, जिलाध्यक्ष अपना दल राजकुमार पंवार, महानगर अध्यक्ष बीजेपी पुनीत त्यागी, महानगर अध्यक्ष सपा हाजी नवाब अंसारी, सपा से चौधरी अब्दुल गफूर अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी एवं समस्त उपजिलाधिकारी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अनुपपुर जनसुनवाई में कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने लोगों की सुनी समस्याएं

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के 78 लोगों की समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप पाण्डेय सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम सकोला तहसील कोतमा के मोतीलाल साहू ने फौती नामांतरण कराए जाने, ग्राम चोंड़ी तहसील कोतमा के प्रीतम केवट ने मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन हेतु तालाब का लीज पट्टा दिलाए जाने, ग्राम हर्री तहसील अनूपपुर के रामसुन्दर राठौर ने राजस्व निरीक्षक अनूपपुर एवं हल्का पटवारी पिपरिया द्वारा उनके पट्टे की भूमि का गलत तरीके से नक्शा तरमीम किए जाने, जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत बीड़ के सरपंच श्री धनसिंह मरावी ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने, ग्राम हर्री तहसील अनूपपुर के जमुना प्रसाद राठौर ने तिपान नदी में बांध बनाए जाने के कारण उनकी उपजाऊ भूमि डूब जाने, ग्राम दुलहरा तहसील अनूपपुर की श्रीमती सविता पटेल ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाए जाने, अनूपपुर के राजेश पटेल ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने, वार्ड नं. 10 कोतमा के श्री लक्ष्मण सोनी ने पुत्री के बीमारी के ईलाज हेतु सहायता राशि दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

भारतीय किसान संघ ने आईसीएआर के विदेशी समझौते को लेकर सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में अनुसंधान परिषद किसानों की लाभ की आड़ में संदिग्ध समझौते से बाज आने की मांग कि गई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, भारतीय किसान संघ के द्वारा प्रदेश स्तरीय आह्वान पर कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचकर कृषि वैज्ञानिक जीआर अंबावतिया को कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली आईसीएआर के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि अनुसंधान परिषद किसानों की लाभ की आड़ में संदिग्ध समझौते से बाज आए। आईसीएआर देश की प्रतिभाओं को शर्मसार करते हुए विदेशी कंपनियों के साथ आईसीएआर समझौता करने में लगा है और चाहता है कि कंपनियां अपना शोध पत्र दाखिल करें और आईसीएआर के वैज्ञानिक स्वीकृति दें। ज्ञापन में मांग की गई कि सभी समझौते रद्द किए जाएं और किसानों के बीच पुनः विश्वास स्थापित करने के लिए व्यापक बहस और चर्चा करने के बाद ही किसी समझौते के बारे में सोचा जाए। केंद्र सरकार वह संबंधित शोध केंद्रों को पर्याप्त वित्तीय प्रदान करें तथा बजट में उल्लेखित निजी कंपनियों को शोध के लिए जो प्रावधान किए हैं उनको भी शासकीय शोध संस्थानों को उपलब्ध करवाए। यदि मांग पूरी नही की गई तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देते समय जिलाध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया, जिला मंत्री मुकेश पाटीदार, जिला सह मंत्री राधेश्याम मीणा, जिला कोषाध्यक्ष ललित नागर, जिला सदस्य अनिल पाटीदार, जिला सह मंत्री चंद्रसिंह सिसोदिया, जिला सदस्य राजबहादुरसिंह गुर्जर, जिला जैविक प्रमुख शिवनारायण शर्मा, अरविंद जोशी, दिनेश कलमोदिया, बाबूलाल कुंभकार, भागीदार तोमर, रामचंद्र धनगर, सतनारायण पाटीदार, शंकर प्रजापत, हंसराज उपलावदिया, जीवन मेवाड़ा, राजेंद्रसिंह मेवाड़ा, रमेश परमार, ज्ञानसिंग गुर्जर, सोहनसिंह सिसोदिया आदि मौजूद थे।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की गूंज से गूंज उठा श्री राम जानकी मंदिर अनूपपुर

कृष्ण जन्मोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 अगस्त 2024 को श्री राम जानकी मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिवस यानी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को अनुपम नगरी अनूपपुर पूरी तरह से कृष्णमय हो गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर राम जानकी मंदिर को फूलों के अलावा बिजली की लड़ियों,झालरों से सजाया गया था।मंदिर में दिनभर भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलाता रहा। मंदिर प्रांगण में प्रातः काल से भक्त जनों,दर्शनार्थियों का ताता लगा रहा।संध्याकालीन आरती के बाद श्री रामचरितमानस का गायन ठीक 12 बजे रात्रि कृष्ण जन्मोत्सव तक चलता रहा।ठीक 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मोत्सव के साथ ही आरती और बधाई गीतों से गुंजायमान हो उठा।हर किसी की जुबां से बस यही निकला,नंद के आनंद भयो,जय कन्हैया लाल की,आलकी की पालकी,जय कन्हैयालाल की। इसके पश्चात देर रात्रि तक प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलाता रहा।संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत हर्ष एवं उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। भगवान श्रीकृष्ण की विहंगम झांकी के दर्शन करने सुबह से भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ पहुंची।बड़ी संख्या में बच्चे राधा-कृष्ण की पोशाक में नजर आए।बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक कृष्ण की झांकियों को देख भक्ति भाव में नजर आए।रात को 12 बजे भगवान कृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर जय-जय कान्हा के उद्घोष से गूंज उठा। सावन के पांचो सोमवार में भी नगर के नागरिकों एवं भक्त जनों के सहयोग से भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें प्रतिष्ठित नागरिक सुरेश चंद्र खेमका, प्रकाश केसरवानी अध्यक्ष केशरवानी समाज अनूपपुर, आंसू केसरवानी,रामचंद्र केसरवानी,दिलीप खेमका, सुनील खेमका,राजू अग्रवाल सब्जी मंडी,रामचंद्र अग्रवाल,रामचंद्र बजाज का सहयोग सराहनीय रहा। सावन के अंतिम सोमवार को ट्रस्ट के सदस्यों के व्यक्तिगत सहयोग से भंडारे का कार्यक्रम संपन्न हुआ।श्री कृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रम में प्रसाद व्यवस्था में हर्ष परोहा मढ़िया रोड का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में श्री राम जानकी मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद शर्मा,उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता,सचिव अमर केवलानी,सदस्य सुदेव चटर्जी,पुष्पेंद्र त्रिपाठी,वार्ड पार्षद दीपक शुक्ला द्वारा सभी उपस्थित जनों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।धर्म प्रेमी सामाजिक कार्यकर्ता शिवकुमार गुप्ता ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिन्होंने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया।

जिला बदर आरोपी अवैध कबाड का कर रह था परिवहन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, जिले के बिजुरी थाना अंतर्गत 27 अगस्त 2024 को रात्रि करीब 12.30 बजे पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना बिजुरी का जिला बदर आशीष कुशवाहा पिता शंकर लाल कुशवाहा निवासी केबिन दफाई का चोरी का कबाड (स्क्रैप) आयसर ट्रक क्र एमपी 20 जीए 7634 से परिवहन कर विक्री करने जा रहा है सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर बिजुरी पुलिस द्वारा आरोपी आशीष कुशवाहा एवं शरद यादव पिता स्वामीनाथ यादव निवासी पनागर जबलपुर के कब्जे से करीब 06 टन अवैध स्क्रैप एव उक्त वाहन कुल कीमती करीब 09 लाख रुपये का मसरुका बरामद किया गयाव आरोपियो के विरुद्ध इस्तगाशा क्र 01/24 धारा 35(1)(ड), 106 बीएनएसएस, 303(2), 317(2), 317(4), बीएनएस का कायम कर अनुसंधान किया जा रहा है।
यह तथ्य उल्लेखनीय है कि आरोपी आशीष कुशवाहा जिला कार्यपालिक दण्डाधिकारी अनूपपुर के आदेश क्र. प्रकरण 24/जिला बदर/2023 अनूपपुर दिनांक 30 अक्टूबर 2023 के तहत 01 वर्ष के लिये जिला अनूपपुर से जिला बदर है जो उक्त आदेश का उल्लंघन करता पाया जाने पर आरोपी के विरुद्ध पृथक से अपराध क्र. 209/24 धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 का पंजीबद्ध कर न्यायालय न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पूर्व मे भी आरोपी को उक्त आदेश का उल्लंघन करते पाये जाने पर दिनांक 11.06.24 को अपराध क्र. 154/24 धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत पंजीबद्ध कर न्यायालय न्यायायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था जो वर्तमान मे उक्त प्रकरण मे जमानत पर रिहा है

24 घंटे के अंदर सुलझ गया हत्या का मामला, आरोपी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
जैतहरी, - जैतहरी थाना क्षेत्र के ग्राम चोलना में एक भीषण हत्या का मामला प्रकाश में आया, जिसमें मृतिका जानकी भरिया (26 वर्ष) का शव गांव के एक बाड़ी में मिला। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर इस अंधी हत्या का पर्दाफाश कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को 23 अगस्त की सुबह 07 बजे ग्राम चोलना से सूचना मिली कि विजय बैगा की बाड़ी में एक महिला की सड़ी-गली लाश पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव की शिनाख्त जानकी भरिया के रूप में की, जो कि ग्राम चोलना की निवासी थी। जांच के दौरान यह पता चला कि जानकी के पति, विजय बैगा, 21 अगस्त को सुबह घर पर ताला लगाकर अपने दो बच्चों के साथ अनूपपुर के लिए निकला था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पाया कि हत्या जानकी भरिया के घर में ही की गई थी। शव को बाड़ी में छिपाने की कोशिश की गई थी। गांव में पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि विजय बैगा शराब पीकर अक्सर अपनी पत्नी के साथ झगड़ा और मारपीट करता था। बच्चों ने भी बयान दिया कि 20 अगस्त को विजय बैगा ने अपनी पत्नी के साथ लाठी से मारपीट की थी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुष्टि की कि जानकी की मौत सिर में चोट लगने के कारण हुई थी। पुलिस ने विजय बैगा के खिलाफ धारा 103(1), 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान विजय बैगा ने अपराध स्वीकार कर बताया कि उसकी पत्नी ने शराब पी ली थी और दो दिन से खाना नहीं बनाया था, जिसके कारण उसने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की। सिर में लगी चोट से जानकी की मौत हो गई, और डर के कारण उसने शव को बाड़ी में छिपा दिया और बच्चों को लेकर रामपुर खाड़ा चला गया। इस जघन्य हत्या को सुलझाने और आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना जैतहरी के निरीक्षक आर. के. धारिया, उपनिरीक्षक अमरलाल यादव, सउनि रविशंकर गुप्ता, सउनि मणिराज सिंह, प्रधान आरक्षक 133 विनोद पटेल और म.प्र.आर. 146 लेखनवती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साँवरिया सेठ को श्रीनाथ जी का रूप धराया, हर्षोल्लास के साथ मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

शम्भूपुरा।शम्भूपुरा ग्राम पंचायत के साँवरिया धाम बामनिया मे कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। साँवरिया जी मंदिर के पुजारी शंकर लाल प्रजापत ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर बड़ी संख्या मे श्रदालु मंदिर पहुचे और विशेष पूजा अर्चना कर मंगल कामना की। वही मंदिर परिसर मे मटकी फोड़ कान्हा जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस दौरान भगवान साँवरिया सेठ को भगवान श्री नाथ जी का रूप धराया गया जो अत्यधिक मनमोहक रहा, जिलेभर से सेकड़ो की संख्या मे आए भक्तो ने साँवरिया सेठ के दर्शन कर हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी मनाई।

श्रमोदय आदर्श आई. टी. आई. में प्रवेश प्रक्रिया

अलीराजपुर । जिला श्रम अधिकारी ने बताया कि म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल योजना अंतर्गत संचालित श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. अंतर्गत 2024-25 हेतु 08 ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया का कार्य डीएसडी पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त श्रमोदय आदर्श आई. टी. आई. में केवल मंडल के पंजीकृत श्रमिकों की संतानों को प्रवेश दिया जाना है। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जिले वासियो से अपील करते हुए कहा कि म.प्र शासन की इस नवीन योजना का अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेकर अपने बच्चों को कौशल विकास के लिए प्रेरित करें ।

ग्रामीण जन हुए लामबंद

वन बागरिया जाति के आतंक के खिलाफ उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ
मेड़ता रोड, रिया बड़ी कस्बे की राजस्व सीमा में दासावास रोड से रोहिसा कच्चा मार्ग पर वन विभाग की भूमि परअवैध रूप से कब्जा कर वन बागरिया जाति के लोग अवैध ढाणी बसाकर निवास कर रहे हैं।उक्त सभी लोग जिनमें उनकी औरतों और बच्चे भी शामिल है सभी मिलकर गैर कानूनी कामों में संलिप्त है पिछले कॉपी समय से रिया बड़ी ग्राम वासियों एवं बाहर से आने जाने वाले राहगीरों में इन लोगों का बहुत बड़ा आतंक व्याप्त हैं। यह लोग आए दिन चोरी चकारी मारपीट वे लूटपाट करते हैं, तथा स्थानीय लोगों के मवेशियों भेड़ बकरियो को मार रहे हैं,और तो और मोर आदि पक्षियों एवं वन्यजीवों को मार देते हैं। उक्त ढाणी में रहने वाले लोगों के पास अवैध हथियार भी रखते हैं।तथा पूरे क्षेत्र में यह लोग आतंक का पर्याय बने हुए हैं। इस जाति के लोगों के पास से पूर्व में भी कहीं बार चोरी का मामला बरामद हो चुका है, परंतु फिर भी इन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्राम वासियों द्वारा पूर्व में भी कहीं बार इस बारे में पुलिस प्रशासन को अवगत भी करवाया जा चुका है। इस दौरान पुलिस चौकी प्रांगण में सीएलजी बैठकों में भी इस बात को बार-बार दोहराया गया,मगर जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रहे हैं, जिससे ग्रामवासियों में भारी रोष व्याप्त है गौरतलब की इस दौरान रिया बड़ी के समस्त ग्राम वासियों ने उपखंड अधिकारी के समक्ष उचित एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु उक्त ज्ञापन देखकर अवगत करवाया गया। और ग्राम वासियों ने कहां की इन वन बागरिया जाति के लोगों पर 50 से अधिक मुकदमे दर्ज होना बताया,अतः उपखंड अधिकारी सुरेश कुमार के एम ने उक्त विषय को गंभीरता एवं प्राथमिकता से लेते हुए तुरंत ठोस एवं प्रभावी कानूनी कार्यवाही करवाने को लेकर ग्रामीणों कोआश्वासन दिया।

नीमच के जाजू सागर बांध पर इन्द्रदेव मेहरबान अब हुआ लबालब

शहर की जनता को अब पर्याप्त पानी मिले इसके लिये कलेक्टर से मिली पार्षद रानी मसूदी

नीमच । कोई दो वर्षो के इंतजार के बाद नीमच की प्यास बुझाने वाले प्रमुख जल स्त्रोत हर्कियाखाल स्थित सीताराम जाजू सागर बांध इन्द्रदेव की मेहरबानी से पूर्ण रूप से लबालब हो चुका है। ऐसे मे अब नीमच की जनता को 3-4 दिन की तुलना में प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो। इसके लिये जनहित में कदम उठाते हुए कांग्रेस पार्षद रानी हाजी साबिर मसूदी मंगलवार को जिला कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के दरबार में पहूंची। और दलगत राजनीति से उपर उठकर जिला कलेक्टर से नीमच में प्रतिदिन पेयजल सप्लाई शुरू करावने हेतु नगरपालिका को निर्देशित करने की मांग की है। पार्षद श्रीमति रानी मसूदी अपनी बात को आगे बढ़ाने के साथ ही जिला कलेक्टर से मोखिक रूप से चर्चा कर नीमच की पेयजल व्यवस्था को लेकर बिन्दुवार जानकारी दी। और शहर की जनता पिछले तीन माह से सुखे पड़े जाजू सागर बांध के कारण किस तरीके से पानी को लेकर जनता में हांकाकार मचा हुआ था। कोई पानी के टैंकरों से अपना काम चला रहे थे तो कोई इधर उधर से व्यवस्था करने पर विवश थे क्योंकि पिछले तीन चार महिनों से हर्कियाखाल की स्थिति पानी को लेकर देखने लायक बनी हुई थी। जो शेष पानी डेम मे बचा था वे जलीय जीव जन्तुओं के लिये था इस कारण शहर में पानी की व्यवस्था गडबड़ा गई थी। पार्षद श्रीमति मसूदी ने जनहित में दलगत राजनीति से हटकर मानवीय संवेदनाओं को ध्यान मे रखते हुए मंगलवार को जिला कलेक्टर से मिल विशेष आग्रह करते हुए मांग की है कि जनका की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लेते हुए इस दिशा में अवलिम्ब नगरपालिका को आदेशित कर शहर में प्रतिदिन पेयजल सप्लाई के निर्देश तत्काल प्रभाव से जारी करें। जिससे कि जनता को प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में नीमच शहर की जनता को पीने का पानी उपलब्ध हो सकें।

भगवान श्री कृष्ण के शोभा यात्रा में उमड़ा जन

अनूपपुर अनूपपुर - जिला मुख्यालय में यादव समाज के द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें जिले के कोने कोने से आए भक्त सम्मिलित हुए यादव समाज के द्वारा शोभा यात्रा के बाद समतपुर तालाब के पास सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया था तथा वृंदावन से आइए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी कार्यक्रम में आइए अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष अंजुलिका सिंह शैलेन्द्र सिंह , रामदास पुरी निरंजन यादव कांग्रेस नेता मयंक त्रिपाठी , कांग्रेस नेता पुल्लु दुबे, राजकुमार सोनी मनोहर जायसवाल,गणेश पनिका एवं इस कार्यक्रम के आयोजक, यादव महासभा के अध्यक्ष मोहन यादव , अश्वनी कुमार यादव, मुनेंद्र यादव ,मनोज यादव , छोटे लाल यादव ,रमेश यादव , पुरन यादव, केशव यादव, विवेक यादव सहित जिले के यादव समाज के लोग उपस्थित रहे

नहर विभाग के ठेकेदारों एवं कर्मचारियों की लापरवाही आई

रीवा

जिसका खामियाजा ग्रामीण लोग झेल रहे हैं जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरपुर मे बाणसागर मिनी परियोजना के तहत श्री चतुर्भुज मंदिर के अपोजिट साईड से बनाई गई नहर,जिसमे मंटेना कंपनी के द्वारा बनाई गई है। मंटेना कंपनी के ठेकेदार,इंजीनियर की लापरवाही से राम राज कोल(संन्यासी) बाबा के घर व मंदिर के बगल से बनी नहर मे पानी निकासी के लिए पुलिया नही बनाई गई.जिससे वर्षात के पानी के अतिभराव से लोगों के घरों मे पानी भरा हुआ है,मकान गिरने के कगार मे है.रहने काबिल बचा नही है,किसी भी समय घर गिर सकता है,पूरा खरकौनी टोला डूब क्षेत्र मे है,स्थानीय लोग दहसत मे है।इसके पूर्व वर्ष मे भी यही स्थित हुई थी इसका जिम्मेदार कौन..जिसका वीडियो और फोटो आप सब देख सकते है,, कल दिनांक 26/08/2034 के रात्रि के वर्षात का है.. जबकि जनहित के इस समस्या के समाधान के लिए नहर विभाग के ठेकेदार,इंजीनियर,व एस डी ओ से कई वार बात किया एवं क्षेत्रीय विधायक कुंवर दिव्यराज सिंह जी जून माह 2024 मे आये थे, उनसे मौखिक इस समस्या से अवगत कराया गया,और उन्होंन देखा भी लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नही हुआ।। मै जनहित की समस्या की को क्षेत्रीय विधायक, जिला प्रशासन,एवं शासन-प्रशासन से अनुरोध है कि लोगों की जल भराव के समस्या को संज्ञान मे लेकर नहर मे पानी निकासी हेतु एक पुलिया का निर्माण कराया जाए,जिससे लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके।।

भाजपा की सदस्यता अभियान की

उज्जैन

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन खाचरोद के सोनरिया बाग में सम्पन्न हुई, खाचरोद ग्रामीण मंडल की सदस्यता महा अभियान कार्यशाला में क्षेत्र में विधायक आदरणीय डॉक्टर तेजबहादुर सिंह चौहान, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत मंडल के प्रभारी तेज सिंह राठौड़, जिला मंत्री मांगीलाल पाटीदार, मडल उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गहलोत पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीनारायण सागीतला मंडी उपाध्यक्ष पर्वतसिंह सोलंकी केसरिया पूर्व जनपद अध्यक्ष रामलाल धाकड़ जिला मंत्री युवा मोर्चा गजेंद्रसिंह सोलंकी युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक धाकड मंडल महामंत्री धर्मेंद्र पाटीदार ! उपस्थित थे इस दौरान क्षेत्र के विधायक जिनका पूरा जीवन अब तक संगठन कार्य मे ही लगा रहा उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को अपनी जिमेदारी से कार्य करने के प्रति प्रेरणा दी ! इस दौरान बाबुलाल पटेल, कुलदीप सागीत्रा, बहादूरसिंह आंजना, सन्तोष नावटिया, सन्तोष भीलवाड़ा, ओमदास बैरागी, देवीलाल अटोलिया, रामचरण वर्मा, दशरथ बोड़ाना, धर्मन्द्र अग्निहोत्री, गजेन्द्रसिंह लोहचितारा, भरत पाँचाल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे !

परिवर्तनों की जानकारी के लिए LIC मीटिंग

उज्जैन भारतीय जीवन बीमा निगम के द्वारा समय समय पर अपने उपभोक्ताओं के लिए परिवर्तन किए जाते है साथ ही नई नई योजना अपने बीमा धारकों के लिए बनाई जाती है जिसके ज्ञान अपने अभिकर्ताओं के होना जरूरी है और इसके लिए ही समय समय पर मीटिंग के माध्यम से अभिकर्ताओ को जानकारी देने के लिये समय समय पर यूनिट मीटिंग का आयोजन किया जाता है यह बात कहा भारतीय जीवन बीमा निगम की खाचरौद शाखा ब्रांच मैनेजर तेजप्रकाश वर्मा ने सीएलआईए एजेएन्ट यूनिट मीटिंग के दौरान कही इस दौरान ! खाचरौद सेटेलाइट शाखा के ईश्वरलाल सेकवाडिया, विजय मजूमदार, गनपत वरवनिया, रमेशचन्द्र पोपण्डिया, तूफानसिंह पंवार, महेश पाटिदार, दिलीप चौहान, कैलाश बामता, भैरूलाल नन्देडा, हेमंत वरवनिया, ललित जैन, दिनेश राठौर, समरथ सेन, गोपाल पडियार, प्रेम पोपण्डिया, उपस्थित थे !

1 से 31 तारीख होगा खाद्यान्न का आवंटन

जिस माह की राशन सामग्री है उसी माह प्राप्त करें

खरगोन - भारत सरकार द्वारा एनएफएसए, 2013 अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों प्रतिमाह वितरित खाद्यान्न के डाटा का मिलान के लिए मैपर्स रिपोर्ट की संशोधित स्टेण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार 1 से 31 तारीख तक आवंटन माह में पात्र परिवारों को खाद्यान्न वितरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे ने समस्त पर्चीधारी उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि प्रचलित महिने की राशन सामग्री उसी महिनें यानि 1 से 31 तारीख तक ही प्राप्त कर लें। जो उपभोक्ता निर्धारित माह में किसी कारण से राशन सामग्री नहीं प्राप्त करता हैं तो उन्हें दूसरे माह की राशन की पात्रता नहीं होगी। जिले के एनएफएसए, 2013 अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों को सूचित किया है कि माह अगस्त 2024 की राशन सामग्री 31 तारीख तक ही प्राप्त होगी। आगामी माह में अगस्त माह का खाद्यान्न का वितरण नहीं किया जायेगा तथा प्रतिमाह जिस माह की राशन सामग्री है उसी माह प्राप्त करना सुनिश्चित करे।

शाजापुर आज भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल शाजापुर की सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला भाजपा जिला कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी जी मंडल प्रभारी किरण सिंह ठाकुर जी मंडल अध्यक्ष हरिओम गोठी जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ इस अवसर पर रमेश पाटीदार अर्जुन सिंह राजपूत किशोर सालिया गोवर्धन सिंह राजपूत नारायण सिंह राजपूत अनूप सिंह राजपूत भगवान सिंह राजपूत ज्ञान सिंह गुर्जर गोविंद हाड़ा मंचासीन रहे कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री मुकेश पंवार ने किया व आभार सदस्यता अभियान के मंडल संयोजक मनीष पाटीदार ने माना।

कलेक्ट्रेट में बनेगा निवेश प्रोत्साहन

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में कल शाम 5 बजे होगा शुभारंभ.

जबलपुर

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर कार्यालय में निवेशकों की सुविधा के लिये निवेश प्रोत्साहन केंद्र बनाया जा रहा है । निवेश प्रोत्साहन केंद्र कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 43 में स्थापित किया जायेगा । इसका शुभारंभ बुधवार 28 अगस्त की शाम 5 बजे होगा । सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ अभिलाष पांडे, सन्तोष वरकडे एवं नीरज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, श्री प्रभात साहू एवं श्री सुभाष तिवारी रानू इस अवसर पर मौजूद रहेंगे । कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आज मंगलवार को इस कक्ष का निरीक्षण किया । इस दौरान औद्योगिक विकास निगम की कार्यकारी संचालक सुश्री सृष्टि प्रजापति, सयुंक्त कलेक्टर धीरेंद्र सिंह, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विनीत रजक एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह मौजूद थे । श्री सक्सेना ने इन अधिकारियों की बैठक भी ली और निवेश प्रोत्साहन केंद्र (इन्वेस्टमेंट फेसिलिटेशन सेंटर) के लिये आवश्यक सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये । ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक जिले में निवेश प्रोत्साहन केंद्र खोलने के निर्देश दिये हैं । निवेश प्रोत्साहन केंद्र में निवेश को सुगम बनाने, निवेशकों को मार्गदर्शन प्रदान करने तथा निवेश परियोजनाओं को क्रियान्वित करने जरूरी जिला स्तरीय अनुमतियाँ, सहमतियां एवं अनुज्ञप्तियां सिंगल विंडो सिस्टम से निर्धारित समयावधि में प्रदान करने के कार्य होंगे । जिला स्तर पर बनाये जा रहे निवेश प्रोत्साहन केंद्र में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी की जायेगी ।

स्कूली छात्रा को मिली 20 हजार रूपये की आर्थिक सहायता

सहकारी बैंक से अन्य व्यक्ति द्वारा ऋण निकालने पर एफआईआर के

जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

राजगढ़

जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा 27 अगस्त को की गई जनसुनवाई में ग्राम खिलचीपुर निवासी छात्रा कु. जयश्री ने बताया कि उनके पिता की लम्बी बीमारी के चलते मृत्यु हो गई है। निजी स्कूल द्वारा फीस की प्रतिपूर्ति नहीं किए जाने के कारण उनका स्थानांतरण एवं माईग्रेशन प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। छात्रा ने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नही है। इस कारण फीस जमा नहीं कर पा रही है। कलेक्टर द्वारा उक्त समस्या पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए छात्रा को रेडक्रास से 20 हजार रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री शिवप्रसाद मण्डराह मौजूद थे। जनसुनवाई में पुनरखेडी निवासी दिनेश पिता बद्रीलाल ने बताया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की ब्यावरा शाखा से उनके नाम से 2 लाख 90 हजार रूपये की ऋण राशि निकाल ली गई है। उनको इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। जब बैंक का स्टेटमेंट निकाला तब ये बात जानकारी में आई। कलेक्टर ने दिनेश के आवेदन पर जांच कर एफआईआर कराने के निंदेश दिए हैं। ग्राम ढोबडा जागीर निवासी नारायण सिंह ने अन्य व्यक्ति द्वारा उनकी निजी भूमि पर अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत की जिस पर तहसीलदार सारंगपुर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम कांसी निवासीयों द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण होने से ग्रामीणों को हो रही परेशानी संबंधी शिकायत की गई। जिस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम हालू हेडी निवासी राहुल सिंह ने शासकीय योजना से बनवाए गए कुएं का भुगतान नहीं होने से संबंधी शिकायत की गई। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी को उक्त शिकायत पर उचित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

पीएम जनमन के तहत आदर्श ग्राम केल्हौरी में आयोजित हुआ

अनूपपुर

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने शिविर में सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

विशेष पिछड़ी जनजाति के कल्याण की दिशा में दूरदर्शी पहल के तहत प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत जनजागरूकता गतिविधि के तहत जनपद पंचायत जैतहरी के आदर्श जन-मन ग्राम केल्हौरी के पंचायत भवन परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सरपंच केल्हौरी श्री रामपाल सिंह, एसडीएम अनूपपुर श्रीमती दीपशिखा भगत, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री सरिता नायक, क्षेत्र संयोजक श्री एस.के. बाजपेयी, जनपद पंचायत सीईओ श्री बी.एम. मिश्रा, प्राचार्य श्रीमती फानुस जमाल, प्रधानाध?यापक श्री अनिल सिंह, सचिव श्री संजय सिंह परिहार सहित सर्व संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में हितग्राही व ग्रामवासी उपस्थित थे। शिविर में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली व जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने आम जनों के आवेदनों पर सुनवाई करते हुए मौके पर संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को कार्य के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। शिविर स्थल पर लगाए गए कैम्प में राजस्व, जनजातीय कार्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पशुपालन, कृषि, महिला बाल विकास विभाग आदि के विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहकर आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा कैम्प में आधार कार्ड अपडेशन का कार्य तथा खसरे का ई-केवाईसी कार्य किया गया। खाद्य विभाग द्वारा पात्रता पर्ची तथा उज्ज्वला योजना से संबंधित आवेदन ग्राह्य किए गए।

कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड, आधार अपडेशन तथा ई-केवाईसी कैम्प का लिया जायजा कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली व जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने ग्राम पंचायत केल्हौरी में आयोजित पीएम जन-मन फेस 2 के अंतर्गत आयोजित शिविर में लगाए गए आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य तथा आधार अपडेशन व ई-केवाईसी कार्य का जायजा लिया तथा मौके पर कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

थाईलैंड में वीजा मुक्त यात्रा अवधि बढ़ने के बाद, बैंकॉक में भारतीय पर्यटकों की आवक में भारी इजाफा

नेशनल डेस्क। थाईलैंड द्वारा भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा मुक्त यात्रा अवधि 11 नवंबर तक बढ़ा दी है। जिसके बाद बैंकॉक पहुंचने वाले भारतीयों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। यह सुविधा पिछले साल 10 नवंबर से शुरू हुई थी। बैंकॉक शहर के बड़े होटलों में न सिर्फ भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है बल्कि लोग अब लंबे समय तक वहां रुक रहे हैं।

आठ माह में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

सिरियम के आंकड़ों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल के शुरुआती आठ महीनों में थाईलैंड की यात्रा करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या एक साल पहले के मुकाबले 15 फीसदी बढ़कर 7,75,625 हो गई है, जो पिछले साल जनवरी से अगस्त के बीच 6,72,448 थी। पिछले साल थाईलैंड में भारतीयों के लिए वीजा मुक्त यात्रा सुविधा नहीं थी। वहीं, विमानों में सीटें बढ़ने के बाद औसत किराया भी पिछले साल के 153 डॉलर से कम होकर फिलहाल 144 डॉलर रह गया है।

इससे साफ पता चलता है कि इस मौके को भुनाने के लिए विमानन कंपनियां क्षमता बढ़ा रही हैं। पिछले साल नवंबर में जब वीजा की जरूरत खत्म करने की घोषणा की गई थी तब से इस साल अगस्त तक थाईलैंड जाने वाले विमानों की संख्या भी 17.5 फीसदी बढ़कर 11,600 हो गई है। इसी अवधि के दौरान कुल सीटों की क्षमता भी 12.5 फीसदी बढ़कर नवंबर, 2023 से अगस्त 2024 के बीच 23 लाख से अधिक हो गई हैं। थाईलैंड के होटल कारोबार में स्पष्ट तौर पर भारत की ओर से वृद्धि देखने को मिल रही है और यह न केवल औसत स्तर में है बल्कि शीर्ष स्तर पर भी दिख रहा है। दो मिशेलिन स्टार रेस्तरां वाले लक्जरी पांच सितारा होटल लेबुआ के महाप्रबंधक राजन खुराना के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने भारतीय बाजार से बुकिंग में अब तक 40 फीसदी की वृद्धि देखी है, जो हमारे शीर्ष तीन बाजारों में से एक है। यह वृद्धि महज बुकिंग तक सीमित नहीं है बल्कि यहां ठहरने वाले भारतीयों की औसतन समयावधि भी 19 फीसदी तक बढ़ गई है। यहां तक कि आने वाले समय के लिए भी बुकिंग एक साल पहले के मुकाबले 40 फीसदी से अधिक है। खुराना ने बताया कि वैश्विक महामारी के बाद चीन से विदेशी पर्यटन में नरमी आने से थाईलैंड जैसे पर्यटन वाले देशों को वैकल्पिक बाजार तलाशने के लिए प्रेरित किया है और भारत एक प्रमुख देश के तौर पर उभरा है। उन्होंने कहा कि नई वीजा मुक्त व्यवस्था थाईलैंड द्वारा कोविड से पहले पेश की जाने वाली पेशकशों से अलग है। यह और अधिक सुविधाजनक है क्योंकि पहले जहां यात्रियों को 15 दिन रहने की अनुमति थी वह अब बढ़कर 60 दिन हो गई है। भारत में जनवरी से जून के बीच वीजा आवेदन की संख्या पहली बार कोविड महामारी से पहले के स्तर को पार कर गई है। वीजा सेवा प्रदाता कंपनी वी.एफ.एस. ग्लोबल के मुताबिक इस अवधि में आवेदन की संख्या 2019 की पहली छमाही की तुलना में 2 फीसदी अधिक रही, वहीं 2023 की पहली छमाही की तुलना में आवेदन की संख्या 11 फीसदी बढ़ी है। वी.एफ.एस. ग्लोबल का कहना है कि पर्सनलाइज्ड सेवाओं में वीज़ा एट योर डोर स्टेप (वी.ए.वाई.डी.) की मांग में 2019 की तुलना में चार गुना वृद्धि हुई है और 2023 की पहली छमाही की तुलना में 16न बढ़ोतरी हुई है। वी.ए.वाई.डी. सेवा में आवेदक अपने घर या किसी पसंदीदा स्थान से पूरी वीजा आवेदन प्रक्रिया और बायोमेट्रिक एंट्रोलमेंट करवा सकते हैं। वी.एफ.एस. ग्लोबल की सी.ओ.ओ. (साउथ एशिया) युमी तलवार ने कहा कि भारत से यात्रा की मांग मजबूत बनी हुई है और यह अपेक्षित था कि महामारी से पहले के स्तर फिर से हासिल किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 2 वर्षों में भारत में लंबी यात्रा का सीजन देखा गया है और हमें उम्मीद है कि यह रुझान साल के अंत तक बना रहेगा।

पाकिस्तान में बलूच हमलों का दोस्त चीन ने किया विरोध

बोला-हम हमेशा पाकिस्तान के साथ

बीजिंग: चीन ने पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हुए आतंकवादी हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की और कहा कि वह पाक के आतंकवाद रोधी अभियान का समर्थन करना जारी रखेगा। इन आतंकवादी हमलों में 37 लोग मारे गए थे। बलूच बंदूकधारियों द्वारा किए गए हमलों की निंदा करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा कि चीन सख्ती के साथ आतंकवाद के सभी स्वरूप का विरोध करता है और आतंकवाद रोधी अभियान को तेज करने, सामाजिक एकता और स्थिरता को बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान का दृढ़ता से समर्थन करता है।

लिन ने कहा कि चीन क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ आतंकवाद रोधी एवं सुरक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करने का इच्छुक है। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में अलगाववादी आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे हमलों का उद्देश्य चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा बनने वाली विकास परियोजनाओं को रोकना है। रविवार को शुरू हुए हमलों में 70 से अधिक लोगों की मौत हो गई ।

अशांत बलूचिस्तान में दो बड़े हमले ऐसे समय हुए हैं जब चीन के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी सुरक्षा आकलन के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रहे हैं, खास तौर पर 60 अमेरिकी अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की सुरक्षा की समीक्षा करने के लिए। बहु-परियोजना गलियारे का बलूच उग्रवादी विरोध कर रहे हैं और इस पर लगातार हमले हो रहे हैं। बलूच उग्रवादियों ने पाकिस्तान में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी कर्मियों को भी निशाना बनाया है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को दो अलग-अलग हमलों में हथियारबंद हमलावरों ने कम से कम 37 लोगों की हत्या कर दी।

पहली घटना में बलूचिस्तान के मूसाखेल जिले में बंदूकधारियों ने बसों से यात्रियों को उतारकर और उनके पहचान पत्र देखने के बाद पंजाब प्रांत के कम से कम 23 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्राधिकारियों ने बताया कि दूसरा हमला बलूचिस्तान के कलात जिले में किया गया और बंदूकधारियों ने चार पुलिस अधिकारियों समेत कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी गयी। कलात राजधानी क्वेटा से करीब 150 किलोमीटर दक्षिण में स्थिति है और बलूच कबीलों का इलाके में दबदबा है। इस बीच, चीन की जनवादी मुक्ति सेना (पीएलए) के जमीनी बलों के कमांडर जनरल ली कियोमिंग ने सोमवार को इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों दौरान हिंदू नाम वाले मुस्लिम शख्स ने की जबरदस्त कमाई

ढाका। बांग्लादेश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच ढाका में राष्ट्रीय ध्वज और हैडबैंड बेचने वाला मोहम्मद सुमन देश के असाधारण घटनाक्रम का पल-पल का गवाह रहा, लेकिन उसकी खुद की जिंदगी बेहद साधारण है। मोहम्मद सुमन का नाम सामाजिक सद्भाव की कहानी बयां करता है, जिसकी इस हिंसाग्रस्त देश में इस समय सबसे यादा जरूरत है। वर्ष 1989 में ढाका में जन्मा सुमन रोजी-रोटी के लिए तीन अलग-अलग आकार के बांग्लादेशी झंडे और हैडबैंड बेचता है। उसके मुताबिक, देश में एक महीने से अधिक समय तक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान उसने जबरदस्त कमाई की। पांच अगस्त को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और बांग्लादेश छोड़कर भारत चले जाने के बाद देश में सरकार विरोधी प्रदर्शन थम गए थे। हालांकि, ढाका विश्वविद्यालय का टीचर स्टूडेंट सेंटर (टीएससी) इलाका अभी भी प्रदर्शन का गवाह बनता है। यहां सुमन झंडे और हैडबैंड बेचता है। यहां विश्वविद्यालय परिसर में किसी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होने और छात्र संघ के चुनाव जल्द से जल्द कराने की मांग को लेकर छात्र अब भी समय-समय पर प्रदर्शन करते हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज से प्रेरित हरा हैडबैंड बेचने वाला सुमन कहता है कि उसके इस उत्पाद की मांग सबसे यादा है, खासकर छात्रों के बीच। यह हैडबैंड बांग्लादेश में अभूतपूर्व विरोध-प्रदर्शनों का प्रतीक बनकर उभरा है। काम से समय निकालकर थोड़ा आराम करते सुमन (35) ने अपने जीवन की कहानी साझा की और बताया कि कैसे उसे सुमन नाम मिला, जो हिंदू समुदाय में रखा जाने वाला एक आम नाम है। सुमन ने बताया, ''मेरा जन्म ढाका के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। मेरे नाम की वजह से कई लोगों को लगता है कि मेरे माता-पिता अलग-अलग धर्म के थे, लेकिन ऐसा नहीं है। जब मेरी मां गर्भवती थी, तब हमारे पड़ोस में रहने वाली अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की एक महिला ने उससे कहा था कि वह जन्म के बाद बच्चे का नाम रखेगी। और जब मेरा जन्म हुआ, तो उसने मुझे सुमन नाम दिया। पुराने ढाका के अलु बाजार इलाके में रहने वाला सुमन बताता है कि भारतीय मूल का उसका पिता 1971 के आसपास कलकत्ता (अब कोलकाता) से ढाका आ गया था और यहीं पर घर बसा लिया था। वर्ष 2024 की तरह ही 1971 भी बांग्लादेश के लिए काफी उथल-पुथल भरा और ऐतिहासिक था, क्योंकि मुक्ति संग्राम के बाद वह एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया था। मुक्ति संग्राम में भारतीय सैनिकों ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के मुक्ति योद्धाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ा था। सुमन ने कहा, ''2008 में अपने परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए मैं कोलकाता गया था। उसके बाद से मैं कभी भी भारत नहीं गया। यह पूछे जाने पर कि क्या हिंसक विरोध-प्रदर्शन के दौरान झंडे बेचते समय उसे डर लगता था, सुमन ने कहा, ''डरना क्यों, आखिरकार हर किसी को एक न एक दिन मरना है। सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य में बांग्लादेश में भड़के विरोध-प्रदर्शन में 600 से अधिक लोग मारे गए थे।

विरोध-प्रदर्शनों के बीच पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बड़े पैमाने पर हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया था। सुमन के मुताबिक, उसने पांच अगस्त को रिकॉर्ड बिक्री की थी, क्योंकि प्रदर्शनकारी हैडबैंड पहनकर और झंडे लहराकर प्रदर्शन करना चाहते थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में इसकी झलक भी देखी जा सकती है। सुमन स्वीकार करता है कि उसने दोनों उत्पाद मूल कीमत से तीन गुना से यादा दाम पर बेचे, क्योंकि उस दिन मांग बढ़ गई थी।

उसने दावा किया, ''पांच अगस्त को हर आकार के झंडों की मांग थी। मैं तीन आकार के झंडे बेचता हूं। उस दिन सारे झंडे बिक गए। मैं सुबह आया और बेहद कम समय में लगभग 1,500 झंडे और 500 हैडबैंड बेच डाले। सुमन 2018 से रोजी-रोटी के लिए झंडे बेच रहा है। ढाका में क्रिकेट मैच के दौरान भी उसकी अच्छी बिक्री होती है।

वह मुस्कराते हुए कहता है, ''लेकिन पांच अगस्त को मैंने क्रिकेट मैच के दिनों की तुलना में कहीं अधिक झंडे बेचे। झंडे बेचने से पहले सुमन झंडे बनाने वाली एक फैक्टरी में काम करता था। हिंदी और बांग्ला भाषा जानने वाले सुमन ने एक सरकारी स्कूल से कक्षा आठ तक की पढ़ाई की और फिर परिवार के पालन-पोषण के लिए काम करने लगा। वह बताता है, ''मैंने पहले बिजलीकर्मी के रूप में काम किया, लेकिन आय बहुत कम थी, इसलिए झंडा बनाने वाली फैक्टरी में नौकरी शुरू कर दी।

यूक्रेन का दावा- हमारे पास सहयोगी देशों की अनुमति बगैर रूस में तबाही मचाने वाला नया हथियार

यूक्रेन ने दावा किया है कि उसके पास सहयोगी देशों से अनुमति लिए बगैर रूस के अंदरुनी इलाकों तक मार करने में सक्षम लंबी दूरी का एक नया हथियार है। रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने सोमवार को कहा कि मिसाइल और ड्रोन के संयोजन वाला यह स्वदेश निर्मित हथियार रूसी बमबारी का ''जवाब देगा। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूस के लगातार हवाई हमले करने और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रूस में लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल पर शर्तें लगाए जाने के कारण 'पलियानित्सिया हथियार विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पैदा हुई। रूस ने सोमवार को कई मिसाइल और ड्रोन हमले कर यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमलों के बाद टेलीग्राम पर दिए एक संदेश में कहा, ''जब तक रूस अपने सभी प्रकार के हथियारों का उपयोग करता है, तब तक जीवन रक्षकों को हथियारों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए। जेलेंस्की ने शनिवार को 'पलियानित्सिया की मौजूदगी की पुष्टि की जिसका नाम यूक्रेन की एक प्रकार की 'ब्रेड के नाम पर रखा गया है। उन्होंने इसे ''नयी श्रेणी का हथियार बताया। अधिकारियों ने 'यादा जानकारी दिए बगैर बताया कि पूर्व सोवियत संघ से यूक्रेन की आजादी की ××वीं वर्षगांठ पर शनिवार को रूस के एक सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाते हुए नए हथियार का पहली बार इस्तेमाल किया गया। रक्षा मंत्री उमेरोव ने सोमवार को कहा कि इस हथियार का यूक्रेन पर किए हमले के जवाब में जल्द ही फिर से इस्तेमाल किया जाएगा।

PM मोदी जल्द करेंगे सिंगापुर का दौरा

दोनों देश विमानन और समुद्री संबंधों को बढ़ावा देने पर कर रहे हैं विचार

सिंगापुर: सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन ने घोषणा की है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीघ्र ही सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। भारत और सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्रियों के रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए यहां एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद उन्होंने यह बात कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिय मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित चार सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए सोमवार को यहां दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में भाग लिया। मंत्रियों की इस बैठक को सकारात्मक बताते हुए बालकृष्णन ने कहा कि इससे प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा के लिए भी मंच तैयार हो गया है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हम इस पर भी काम कर रहे हैं क्योंकि बहुत जल्द ही हम प्रधानमंत्री मोदी की

सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा की भी घोषणा करेंगे। मैं आपको सटीक तारीख नहीं बता सकता, लेकिन यह जल्द ही होने वाली है। बालकृष्णन ने कहा कि उन्नत विनिर्माण और सेमीकंडक्टर के साथ ही विमानन और समुद्री संपर्क, ऐसे नए क्षेत्र हैं जिन्हें सिंगापुर और भारत ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए इस उच्च स्तरीय मंच पर शामिल किया है। मंगलवार को 'द स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार पत्र ने सिंगापुर के विदेश मंत्री के हवाले से कहा कि भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में ये दो नए क्षेत्र शामिल किए जाने से दोनों देशों के साथ-साथ उनकी कंपनियों के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे। सोमवार को भारतीय मूल के मंत्री ने कहा कि दोनों देश उन्नत विनिर्माण और सेमीकंडक्टर पर सहयोग करना चाहते हैं - यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत महत्वपूर्ण रूप से विस्तार करना चाहता है, और जिसमें सिंगापुर अपनी क्षमता से कहीं अधिक योगदान दे रहा है। सिंगापुर के विदेश मंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत में विमानन क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि होने की संभावना है, पिछले वर्ष ही भारत ने 1,000 से अधिक विमानों के लिए ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में रखरखाव और हवाई परिचालन जैसी सेवाओं के लिए यह बहुत अछे अवसर प्रस्तुत करता है - यह एक अन्य विशिष्ट क्षेत्र है, जहां सिंगापुर और उसकी कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हैं। उन्होंने कहा, 1.4 अरब से यादा लोगों वाला देश अब अपने विमानन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार की ओर बढ़ रहा है। यह दो, तीन दशक में एक बार मिलने वाला अवसर है, और यह अछी बात है कि हम एक तरह से अग्रिम पंक्ति में हैं और हमारे पास (सहयोग करने का) मौका है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569